राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार, 21 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–204 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के 'शराब घोटाले के मास्टरमाइंड' हैं सीएम केजरीवाल : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राष्ट्रीय राजधानी में हुए कथित 'शराब घोटाले का मास्टरमाइंड' करार दिया। ठाकुर ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) को आबकारी घोटाले को अन्य मुद्दों की आड़ में छिपाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उसका असली चेहरा बेनकाब हो गया है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें 'मनी श्श्श...' बताया और उन पर पैसा बनाने तथा चुप्पी साधने का आरोप लगाया। अनुराग ठाकुर के साथ भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता और लोकसभा सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति के क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सिसोदिया तथा आईएएस अधिकारी आरव गोपी कृष्ण के आवास पर छापे मारे थे। जांच एजेंसी ने कई अन्य स्थानों पर भी एकसाथ छापे मारे थे।

राधा-कृष्ण की आपत्तिजनक पेंटिंग बेचने पर शुरु हुई बायकॉट अमेजन मुहिम, हिन्दु संगठनों ने शिकायत की

मुंबई । ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन फिर विवादों में आ गई है। आरोप है कि राधा-कृष्ण की आपत्तिजनक पेंटिंग कंपनी ने जन्माष्टमी के दिन बेची। इसके बाद अमेजन सोशल मीडिया पर यूजर्स के निशाने पर आ गई है। हिंदू जनजागृति समिति ने भी कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। समिति ने बेंगलुरु के सुब्रमण्यम नगर पुलिस स्टेशन को ज्ञापन सौंपकर अमेजन के खिलाफ कार्रवाई का अनुरोध किया है। जनजागृति समिति ने कंपनी के खिलाफ पुलिस को दी शिकायत में जल्द से जल्द आपत्तिजनक तस्वीर को प्लेटफॉर्म से हटाने के लिए कहा है। दूसरी ओर जन्माष्टमी सेल में आपत्तिजनक पेंटिंग को एक्सोटिक इंडिया वेबसाइट पर भी बेचा जा रहा था। वहीं बेंगलुरु स्थित एक सेलर द्वारा इस अमेजन पर बेचा जा रहा था। वहीं हिंदू संगठन ने बाद में एक ट्वीट में दावा किया कि हंगामा होने और ट्विटर पर 'बायकॉट अमेजन' ट्रेंड होने के बाद अमेजन और एक्सोटिक इंडिया ने पेंटिंग को वापस ले लिया। एक्सोटिक इंडिया ने भी माफी मांगते हुए ट्वीट किया, 'हमारे संज्ञान में लाया गया कि हमारी वेबसाइट पर एक अनुचित आपत्तिजनक पेंटिंग अपलोड की गई थी। इस तुरंत हटाया गया। हम ईमानदारी से माफी मांगते हैं, कृपया हमारे खिलाफ बायकॉटअ अमेजन ट्रेंड ना करवाएं, हरे कृष्ण। फिलहाल अमेजन ने अभी तक इस मामले पर कोई बयान जारी नहीं किया है। वहीं सोशल मीडिया पर अमेजन की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यूजर्स का मानना है कि जानबूझकर हिंदू देवी-देवताओं का अपमान किया जाता है।

भारत में तेजी के साथ फैल रहा है आफ्रीकी स्वाइन फ्लू

नई दिल्ली। अफ्रीकी स्वाइन फ्लू बड़ी तेजी के साथ भारत के कई राज्यों में फैल गया है। पंजाब के पटियाला में पिछले 2 सप्ताह में 1000 से अधिक सुअर मर चुके हैं। मध्य प्रदेश के रीवा में भी जांच के दौरान 11 सूअर के सैंपलों में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू का संक्रमण पाया गया है। भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान ने इसकी पुष्टि की है। अन्य राज्यों से भी सुअरों में इस बीमारी को फैलने के समाचार मिल रहे हैं। अभी तक इस बीमारी से बचाव के लिए कोई वैक्सीनेशन का कार्य शुरू नहीं किया गया है। वहीं इस रोग की रोकथाम के लिए पशु चिकित्सा विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहा है। जिसके कारण कभी भी स्थिति गंभीर रूप धारण कर सकती है।

भारी बारिश से हिमाचल में त्राहि-त्राहि

2 बच्चों सहित 5 की मौत, 15 लापता

शिमला ।(एजेंसी)

पहाड़ी प्रदेश हिमाचल में मूसलाधार वर्षा ने भारी तांडव मचाया है। कांगड़ा में जहां अंग्रेजों के जमाने का बना हुआ चक्की रेलवे ब्रिज टूट गया है। वहीं, मंडी में भी एक परिवार पर बारिश का कहर बरपा है। लैंडस्लाइड के चलते मंडी जिले के गोहर में प्रधान का घर चपेट में आ गया है और कुल सोए हुए सात सदस्य मलबे में दब गए हैं। अब तक किसी का पता नहीं चल पाया है। भारी बरसात के चलते मंडी और कुल्लू में स्कूल और अन्य शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। साथ ही चंबा की तीन तहसीलों डलहौजी, सिंहुता और चुवाड़ी में भी शिक्षण संस्थानों को प्रशासन एक दिन के लिए बंद कर दिया है।

चंबा जिले में भारी बारिश से दीवार तोड़ मकान में मलबा घुस गया, जिससे तीन लोग लापता हो गए थे। ग्रामीण और प्रशासनिक टीमें लापता पति, पत्नी और बेटे के शव बरामद कर लिए हैं। भटियात क्षेत्र की बनेट पंचायत के जुलाडा वार्ड नंबर एक में बारिश ने तबाही मचाई है। देर रात दो बजे की घटना है। मलबे में दबे पति-पत्नी और बेटे के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल चुवाड़ी भेज दिया गया है।

मंडी जिले में अब तक बारिश से सबसे अधिक तबाही हुई है। यहां कटौला में दस साल के बच्चे के शव मिला है। कटौला बाजार मलबे की चपेट में आया है। 5-छह फीट मलबा बाजार में घुसा है। मंडी जिले के धर्मपुर में 2015 जैसे हालात हो गए हैं। यहां पूरा बाजार और बस स्टैंड खड्ड की चपेट में आ गया है। मंडी में कटौल, गोहर समेत कई इलाकों में कुल 15 लोग भूस्खलन की चपेट में आने से लापता हैं। गोहर में प्रधान के घर पर लैंडस्लाइड हुआ है और 7 सदस्यों का परिवार लापता है। हिमाचल में पठानकोट से कांगड़ा-जोगेंद्रनगर को जोड़ने वाला एकमात्र रेलवे पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। पंजाब की ओर से चक्की क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आने से पुल गिर गया है। यह रेलवे ट्रैक ऐतिहासिक है और लम्बे वक्त से बाढ़ की जद्द में था। हालांकि, जिला प्रशासन ने पहले ही आवाजाही बन्द करवा दी थी। इस वजह से कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है।

गहलोत सरकार में दलितों के खिलाफ अत्याचार, भाजपा सड़क पर उतरी किया प्रदर्शन

हिरासत में लिए गए राठौड़

जयपुर ।(एजेंसी)

राजस्थान में दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचार के विरुद्ध भारतीय जनता पार्टी लामबंद हो सड़क पर उतर आई उसने अशोक गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए हमला बोला है। भाजपा ने जयपुर में शनिवार को गहलोत सरकार के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि प्रदेश अपराधी और चरमपंथी आज़ाद घूम रहे हैं। समाचार के मुताबिक, भाजपा सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में अपराधी, चरमपंथी आज़ाद घूम रहे हैं। राज्य में साधू-संतों को मारा जा रहा है, महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहे हैं और अपराधी पकड़ में नहीं आ रहे हैं और मुख्यमंत्री इन घटनाओं को छोटा बता रहे हैं। राजस्थान आतंकियों का अड्डा बन चुका है। आपको बता दें कि गहलोत सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस दौरान राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस के कुशासन से यहां कोई मां-बेटी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने गहलोत का जंगलराज हैशटैग के साथ एक ट्वीट में लिखा कि इसके तहत राजस्थान विनाश की राह पर है। कांग्रेस के कुशासन से यहां कोई मां-बेटी सुरक्षित नहीं है। आम आदमी दर्द में है क्योंकि सरकार ने अपराधियों, माफियाओं और चरमपंथियों को खुली छूट दी है। हम इस दमनकारी सरकार को लोगों के जीवन को नर्क नहीं बनाने देंगे। इससे पहले राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता गुलाब चंद्र कटारिया ने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि हम महिला अपराध की दृष्टि से तो बहुत लंबे समय से नंबर 1 पर चल रहे हैं लेकिन पिछले 4-5 महीनों की घटनाओं ने सभी का दिल दहला दिया है। राजस्थान की गति तो दुर्गति के रूप में ही दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा था कि अब तक तो मैं भी इसे जंगलराज कहता था लेकिन अब सोचता हूं कि इससे भी खराब शब्द है क्या, जो राजस्थान के मुख्यमंत्री के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

मुंबई पर आतंकी हमले की धमकी, एक संदिग्ध गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई पुलिस को 26/11 जैसे हमले का धमकी भरा फोन कॉल मिला था। यह मैसेज कंट्रोल रूम के व्हाट्सएप पर किसी अनजान नंबर से आया था। जिसके बाद मुंबई पुलिस ने जांच शुरू की और एक संदिग्ध को फौरन गिरफ्तार कर लिया. मिली जानकारी के अनुसार इस संदिग्ध को मुंबई से सटे विरार से गिरफ्तार किया गया है. खबर है कि इस शख्स से महाराष्ट्र एटीएस और क्राइम ब्रांच की टीमें पूछताछ कर रही है। दरअसल शुक्रवार रात करीब 11 बजे मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल को एक एक व्हॉट्सऐप मैसेज आया था, जिसमें कहा गया था कि मुंबई में फिर से 26/11 जैसा हमला होने वाला है. इस मैसेज में कुछ संदिग्धों के फोटो और नंबर भी साझा किए गए थे. मैसेज मिलते ही पुलिस बल में हड़कंप मच गया। मुंबई पुलिस ने भी त्योहारी सीजन के दौरान आतंकी हमले की धमकी को देखते हुए हाई अलर्ट कर दिया। अब खबर है कि मुंबई पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार किया है. अभी तक संदिग्ध के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

- क्या था मैसेज में ?

मुंबई पुलिस को जो धमकी भरा मैसेज मिला उसमें लिखा था 'बधाई हो मुंबई में हमला होने वाला है। मुंबई में हमले की तैयारी में मैं पाकिस्तान में हूँ। आपके कुछ भारतीय मुंबई उड़ाने में मेरा साथ दे रहे हैं। मुंबई को उड़ाने की पूरी तैयारी हो गई है. अब कम ही समय बचा है. कभी भी हमला कर सकते हैं। 26/11 के हमले को याद रखना चाहिए। अगर नहीं तो अब एक बार फिर देख लीजिए। ये सिर्फ धमकी नहीं बल्कि हकीकत में आ रहा हूँ'.

समय पर न्याय जरूरी, न्याय में विलंब न्याय से वंचित करने की तरह : राजनाथ

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बल कर्मियों को सशस्त्र बल न्यायाधिकरणों के ढांचे के तहत समय पर न्याय प्रदान करने पर जोर दिया। इसके साथ ही रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने जल्दबाजी में किए गए फैसलों से होने वाले नुकसान के प्रति भी आगाह किया। राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण पर आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि हम अक्सर बात करते हैं कि 'न्याय में देरी न्याय से वंचित' करने के समान है।

हमें एक व्यवस्थित प्रक्रिया विकसित करके समय पर न्याय सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा हालांकि, हमें ऐसा करते समय बहुत सावधान रहने की भी जरूरत है। अन्यथा, जल्दबाजी में न्याय प्रदान करने से सही तरह से न्याय नहीं मिलने का खतरा होता है। ऐसे में समय और प्रक्रिया के बीच संतुलन बनाए रखना आज के समय की महत्वपूर्ण मांग है।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों के योगदान पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा महात्मा गांधी, पंडित (जवाहर लाल) नेहरू, सी राजगोपालाचारी, बाल गंगाधर तिलक, डॉ राजेंद्र प्रसाद, एस श्रीनिवास अयंगर, सरदार पटेल और डॉ. भीमराव आंबेडकर तक अनेक ऐसे नाम हैं, जिनके योगदान के बिना हमारा भारत ऐसा नहीं बन पाता जैसा आज है। रक्षामंत्री ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरणों के समग्र कामकाज में सुधार के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार इन न्यायाधिकरणों को उन उद्देश्यों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, जिनके लिए इसे स्थापित किया गया था। राजनाथ सिंह ने कहा सशस्त्र बल न्यायाधिकरणों ने सेवारत सैनिकों और पूर्व सैनिकों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षामंत्री ने विश्वास जताया कि सशस्त्र बल न्यायाधिकरण अपने कामकाज में बदलाव लाएगा और इसके लिए तैयारी अभी से शुरू करनी होगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए सीईए को सीडब्ल्यूसी की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईए) पार्टी के कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। सूत्रों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि सीईए, जो संगठनात्मक चुनाव कराने के लिए अधिकृत है, ने सीडब्ल्यूसी के अंतिम निर्णय से पहले मतदाता सूची की प्रक्रिया पूरी कर ली है। पार्टी के अधिकांश नेताओं को लगता है कि राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालना चाहिए, लेकिन 2019 की चुनावी हार के बाद पद छोड़ने के बाद से उनकी ओर से कोई स्पष्टता नहीं है। साथ ही, कांग्रेस अंतरिम रूप से सोनिया गांधी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में जारी रखने और प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने के लिए प्लान बी तैयार कर रही है। एक और नाम चर्चा में है, जो सोनिया के वफादार राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का है।

उन्होंने कथित तौर पर शीर्ष पद से इनकार कर कहा है कि राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालना चाहिए। कांग्रेस का कार्यक्रम 21 अगस्त से प्रक्रिया शुरू करने वाला था, लेकिन अभी तक सीडब्ल्यूसी की बैठक नहीं बुलाई गई है। अनुसूचित जाति के जिन नेताओं को शीर्ष पद मिल सकता है, उसमें सुशील कुमार शिंदे, मल्लिकार्जुन खड़गे और मीरा कुमार शामिल हैं। खड़गे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के विश्वासपात्र हैं और कर्नाटक चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राज्य इकाइयों के साथ कई बैठकें की हैं।

उन्होंने आम चुनावों से पहले देश के हर जिले का दौरा करने की भी योजना बनाई है। योजना को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

वहीं गैर-गांधी को पद संभालने का मौका देने की राहुल की जिद ने कांग्रेस को दुविधा में डाल दिया है। उनके करीबी नेता उन्हें फिर से पद संभालने के लिए कह रहे हैं।

दिल्ली, पंजाब के बाद उड़ीसा में पैर जमाने में जुटी आप, आज पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्मेलन

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा है कि ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकल्प के रूप में स्वयं को मजबूत करने में जुटी है। आप ने बताया कि राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं का सम्मेलन रविवार को यहां आयोजित होगा। दिल्ली छावनी विधायक एवं ओडिशा के लिए पार्टी के प्रभारी वीरेंद्र सिंह कादियान समारोह को संबोधित करेंगे। इसमें राज्य में बाढ़ संबंधी मौजूदा हालात सहित कई अन्य मामलों पर चर्चा होगी। पार्टी ने कहा कि बीजद और भाजपा की संयुक्त राजनीति ने राज्य के लोगों की प्रगति में जिस तरह से बाधा डाली है, 'आप' उसके खिलाफ वैकल्पिक राजनीति को मजबूत करने की रणनीति तैयार कर रही है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी दिल्ली और पंजाब की तरह ओडिशा में भी मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तथा हर युवा को रोजगार मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसमें बताया गया कि राज्य सम्मेलन में ओडिशा के सभी जिलों के लगभग 1,200 कार्यकर्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है।

कोर्ट में लंबित केसों का आंकड़ा 5 करोड़, जज 50 का निपटारा करता है, तो 100 और आ जाते हैं : किरेन रीजीजू

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश की अदालतों में मुकदमों की लंबित संख्या को लेकर भारत के कानून मंत्री किरेन रीजीजू ने बड़ा बयान दिया और कहा कि न्यायालयों में केसों की संख्या पांच करोड़ के करीब है।उन्होंने कहा कि यदि कोई न्यायाधीश 50 मामलों का निपटारा करता है, तो 100 नए मामले दायर हो जाते हैं। क्योंकि लोग अब अधिक जागरुक है और वे विवादों के निपटान के लिए अदालतों में पहुंच रहे हैं। रीजीजू ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के कामकाज पर एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार अदालतों में लंबित मामलों को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। कानून मंत्री ने कहा कि मध्यस्थता पर प्रस्तावित कानून से वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र पर नए सिरे से ध्यान देकर अदालतों में मुकदमों की संख्या कम करने में मदद मिलेगी। रीजीजू ने कहा कि भारत और अन्य देशों में लंबित मामलों की कोई तुलना नहीं की जानी चाहिए क्योंकि हमारी समस्याएं अलग हैं। उन्होंने कहा कि कुछ देश ऐसे भी हैं जिनकी आबादी पांच करोड़ भी नहीं है जबकि भारत में लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ के करीब है। उन्होंने आश्वासन दिया कि विधि मंत्रालय त्वरित न्याय देने में सशस्त्र बल न्यायाधिकरण की हर संभव मदद करेगा। आपको बता दें कि कानून मंत्री ने संसद के मानसून सत्र में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि देशभर की अदालतों में 4.83 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं।

म्यांमार बहाना US निशाना? जयशंकर बोले-

दूर के लोग कभी भी झाड़ सकते हैं पल्ला, हमने अफगानिस्तान में ये देखा

(एजेंसी)

भारत के विजेश मंत्री वैसे तो अपनी हाजिर जवाबी और वाकपटुता के लिए जाने जाते हैं। लेकिन अब भारत ने अमेरिका के दो मुंहे चेहरे को आइना दिखा दिया है। अमेरिका अपनी किसी भी नीति में किसी किस्म का कोई बदलाव नहीं करता। लेकिन दूसरे देशों पर उसकी नीति में तब्दिली के लिए दबाव डालता है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर थाईलैंड के दौरे पर हैं। जहां उन्होंने भारत और चीन के मौजूदा संबंधों से लेकर रूस से कच्चा तेल खरीदने के मामले पर एक बार फिर रुख स्पष्ट किया।

दूर के लोग कभी भी पल्ला झाड़ सकते हैं

अमेरिका के बाहर निकलने के बाद अफगानिस्तान की स्थिति का उल्लेख करते हुए, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्यांमार के साथ भारत के संबंधों का बचाव किया और कहा कि मैं दूर बैठे लोगों की तुलना में ऐसे लोगों पर विश्वास करता हूं, जो पास होते हैं क्योंकि दूर के लोग कभी भी पल्ला झाड़ सकते हैं। हमने अफगानिस्तान में यह देखा है। जब आप निकट पड़ोसी होते हैं तो दूर बैठे लोगों की तुलना में आपकी समझ और हित बहुत अलग हो जाते हैं। जयशंकर ने कहा कि भारत म्यांमार के साथ अपने संबंधों का प्रबंधन करेगा क्योंकि भारत के लिए लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षा का समर्थन करना स्वाभाविक है।

एशियाई शताब्दी तब होगी जब चीन और भारत साथ आएंगे

जयशंकर ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि एशियाई शताब्दी तब होगी जब चीन और भारत साथ आएंगे लेकिन यदि भारत और चीन साथ नहीं आ सके तो एशियाई शताब्दी मुश्किल होगी। उन्होंने कहा, ''चीन ने सीमा पर जो किया है, उसके बाद इस समय (भारत-चीन) संबंध अत्यंत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।'' चीन और भारत के सैनिक पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से गतिरोध की स्थिति में हैं।

संपादकीय

मर्ज बढ़ाती कोताही

यदि अधिकारी राज्यों की सीमाओं पर सख्ती बरतते तो इस रोग का अंतर्राज्यीय स्तर पर प्रसार न होता। फिलहाल तो डेयरी उद्योग से जुड़े किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि यह रोग जहां गायों की दूध देने की क्षमता में कमी लाता है, वहीं प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर डालता है। वहीं दूसरी ओर हजारों मृत पशुओं के शवों का निस्तारण भी बड़ी चुनौती है।

जुलाई की शुरुआत से दुधारू पशुओं को गिरफ्त में लेने वाले लंपी त्वचा रोग से निपटने में विभिन्न सरकारों ने जैसी हीला-हवाली की उसका नतीजा है कि पशुपालक किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समय रहते इसके उपचार को गंभीरता से न लेने का ही परिणाम है कि देश के कई राज्यों के पशु इस रोग से मर रहे हैं। इतना ही नहीं, दुधाऊ पशुओं ने दूध देना कम कर दिया है। हालत यह है कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व जम्मू-कश्मीर में हजारों जानवर इस रोग की चपेट में हैं। रोग की चपेट में आने वाले पशुओं में गायें ज्यादा हैं। यदि अधिकारी राज्यों की सीमाओं पर सख्ती बरतते तो इस रोग का अंतर्राज्यीय स्तर पर प्रसार न होता। फिलहाल तो डेयरी उद्योग से जुड़े किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि यह रोग जहां गायों की दूध देने की क्षमता में कमी लाता है, वहीं प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर डालता है। वहीं दूसरी ओर हजारों मृत पशुओं के शवों का निस्तारण भी बड़ी चुनौती है। शवों का निपटान वैज्ञानिक तरीके से नहीं हो पा रहा है। कई जगह जानवरों के शव खुले में पड़े रहते हैं। घोर कुप्रबंधन का आलम यह है कि पशुपालक मरे जानवरों के शवों को नदी-नहरों में फेंक जाते हैं। बताया जाता है कि अकेले पंजाब में ही चार हजार से अधिक पशु मर चुके हैं और 75 हजार इस रोग से पीड़ित हैं। निस्संदेह, इस बड़ी चुनौती से मुकाबले को बहुकोणीय नजरिये से युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। जहां तुरंत उपचार व रोग की रोकथाम के लिये अतिरिक्त धन की मंजूरी जरूरी है, वहीं पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त चिकित्सकों व कर्मचारियों की उपलब्धता की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही वैकल्पिक वैक्सीन किसानों की सहज पहुंच में होनी चाहिए। पशु पालकों को जागरूक करने तथा रोग के प्रसार को रोकने के वैज्ञानिक उपायों के बारे में बताना भी जरूरी है। बहरहाल, इस संक्रामक रोग से हालात इतने बिगड़ गये हैं कि समाज में स्वास्थ्य व पर्यावरणीय संकट की चुनौती पैदा हो गई है। इस रोग के चलते चुनौतियों की एक श्रृंखला उत्पन्न हुई है। वहीं पशु चिकित्सकों की कमी से समस्या और विकट हो रही है। इस रोग से जुड़े अनुसंधान के बाद पता लगाया जाना चाहिए कि रोग की रोकथाम के लिये जो वैकल्पिक वैक्सीन दी जा रही है क्या वह स्वस्थ पशुओं को रोग से बचाने में कारगर है। दरअसल, विशेषज्ञों की सलाह के बावजूद अफवाहें फैलायी जा रही हैं कि रोग के चलते गाय का दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है। इस बाबत समाज में प्रगतिशील सोच बनाये जाने की जरूरत भी है। साथ ही वैज्ञानिकों की आवाज को प्रभावी बनाने की भी आवश्यकता है। वहीं इस संक्रामक रोग ने पिछले एक दशक में जानवरों को दफनाने के लिये आरक्षित स्थानों को खुर्द-बुर्द करने के संकट को भी उजागर किया है। अवैध कब्जों के चलते इसमें लगातार संकुचन हुआ है। वहीं इस समस्या के विस्तार की एक वजह यह भी है कि चर्मकर्म से जुड़े लोगों का मृत पशुओं के निस्तारण में रुझान कम हुआ है। जिसकी एक वजह यह भी है कि चमड़े, हड्डियों व खुरों की बिक्री से होने वाला लाभ कम हो गया है।

कार्टून

भाजपा संसदीय बोर्ड से क्यों हटाए गए गडकरी...?

लेखक- प्रभुनाथ शुक्ल

पार्टी के सांगठनिक ढांचे में अगर व्यक्तिवाद का विश्लेषण करें तो नितिन गडकरी जैसा राजनेता कोई नहीं दिखता है। गड़करी की नीति समता और समानतावादी है। वे सत्ता और विपक्ष को एक साथ लेकर चलने वाले हैं। उनकी सोच और विचारधारा में कहीं न कहीं अटल बिहारी बाजपेयी की छबि दिखती है। सार्वजनिक मंचो पर उन्होंने कई बार ऐसी टिप्पणियां की है जो भाजपा की विचारधारा से मेल नहीं खाती। पार्टी के इस निर्णय से साबित हो गया है कि अंदर कहीं ना कहीं वैचारिक मतभेद हैं। फिलहाल आने वाला वक्त नितिन गडकरी के लिए चुनौतियों भरा दिखता है।

केंद्रीय स्तर पर भाजपा का शीर्ष सांगठनिक विस्तार यानी संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति का गठन विमर्श का विषय बना है। भाजपा ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जैसे साफ-सुथरे छबि वाले राजनेता को संसदीय बोर्ड से अलग कर एक नई बहस छेड़ दी है।पार्टी के सांगठनिक ढांचे में अगर व्यक्तिवाद का विश्लेषण करें तो नितिन गडकरी जैसा राजनेता कोई नहीं दिखता है। गड़करी की नीति समता और समानतावादी है। वे सत्ता और विपक्ष को एक साथ लेकर चलने वाले हैं। उनकी सोच और विचारधारा में कहीं न कहीं अटल बिहारी बाजपेयी की छबि दिखती है। सार्वजनिक मंचो पर उन्होंने कई बार ऐसी टिप्पणियां की है जो भाजपा की विचारधारा से मेल नहीं खाती। पार्टी के इस निर्णय से साबित हो गया है कि अंदर कहीं ना कहीं वैचारिक मतभेद हैं। फिलहाल आने वाला वक्त नितिन गडकरी के लिए चुनौतियों भरा दिखता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। गडकरी महाराष्ट्र के नागपुर से आते हैं। नागपुर यानी संघ। कहा जाता है कि नितिन गडकरी की संघ में अच्छी खासी पैठ है। फिर संसदीय बोर्ड से बाहर होना सवाल खड़े करता है। जबकि देवेंद्र फडणवीस को प्रमोट किया गया है। हालांकि गडकरी के आगे फडणवीस की वजनदारी नहीं ठहरती है। फडणवीस को आगे लाकर पार्टी नितिन गडकरी को नीचा दिखाना चाहती है? या गडकरी को संगठन में उनकी हैसियत बताने का प्रयास किया गया है ? लेकिन इस निर्णय का असर महाराष्ट्र की राजनीति पर पड़ सकता है। वर्तमान समय में मोदी के बाद भाजपा संसदीय बोर्ड में गडकरी के कैडर का कोई राजनेता नहीं है। अपने मंत्रालय में जितना बेहतरीन काम उन्होंने किया है शायद मोदी मंत्रिमंडल का कोई भी मंत्री इतना अच्छा कार्य किया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नितिन गडकरी के विचारों में हमेशा द्वंद देखा गया है। कई बार उन्होंने पार्टी लाइन से हट कर अपने विचार रखें हैं। प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस मुक्त भारत की बात करते हैं, लेकिन नितिन गडकरी ने कहा था कि विपक्ष का जिंदा होना जरूरी है। कांग्रेस के जो राजनेता बुरे दिन में पार्टी छोड़ रहे हैं उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। उन्हें पार्टी का साथ देना चाहिए। स्वतंत्रता दिवस पर भी प्रधानमंत्री ने लालकिले की प्राचीर से परिवारवाद पर हमला बोला। यह हमला सीधा नेहरू-गांधी परिवार था। गडकरी ने हाल के दिनों में एक बयान दिया था जिसमें कहा था कि राजनीति में अब रहने का मन नहीं करता है। संसदीय बोर्ड से किनारे रखने का मतलब उनकी यह बयानबाजी भी हो सकती है। हालांकि देवेंद्र फडणवीस का बॉर्ड में लिया जाना महाराष्ट्र में महाविकास आघाडी सरकार गिराने का इनाम भी माना जा रहा है। मीडिया विश्लेषण पर गौर करें तो यह बात सामने आती है कि भाजपा में अमित शाह के मुकाबले नितिन गडकरी का कद बड़ा दिखने लगा था। उनके मंत्रालय के कार्य को लेकर देश भर में अलग-अलग चर्चाएं होती हैं। क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गो का संजाल बिछा दिया है। नरेंद्र मोदी के बाद प्रधानमंत्री पद के लिए नितिन गडकरी सबसे योग्य उम्मीदवार हो सकते हैं। लेकिन पार्टी उन्हें संसदीय बोर्ड से निकाल कर बाहर कर दिया। भाजपा में यह लंबी राजनीति का संदेश है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहानके साथ भी ऐसा कुछ है। मीडिया में शरद पवार की पार्टी के प्रवक्ता का एक बयान आया है जिसमें कहा गया है कि भाजपा में जिसका कद बड़ा होता है उसे कम कर दिया जाता है। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे राजनेता इसके उदाहरण है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में महाराष्ट्र से नेतृत्व करने वाले नितिन गडकरी एक विशेष व्यक्तित्व के राजनेता हैं।

महाराष्ट्र में उनकी अपनी एक अलग छवि है। भारत के सीमावर्ती इलाकों लेह और लद्दाख जैसे दुर्गम क्षेत्रों में उनका मंत्रालय बढ़िया कार्य किया है। कैलाश मानसरोवर जाने के लिए नए राजमार्ग का निर्माण किया जा रहा है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद लोकसभा में दी। राष्ट्रीय मीडिया के विश्लेषण की बात करें तो उसमें यह बात उभर कर आयी है कि अमितशाह को मोदी के बाद दूसरे नंबर का राजनेता बनाया जा रहा है। पार्टी का संसदीय बोर्ड संगठन की रीढ़ होता है। पार्टी के सारे अहम फैसले बोर्ड की तरफ से लिए जाते हैं। इस फैसले से कहीं न कहीं महाराष्ट्र की राजनीति पर व्यापक असर पड़ेगा। क्योंकि भाजपा जिस तरह महाराष्ट्र में शिवसेना को दो भागों में बांट कर अपनी चाल चली है उसे बहुत अच्छा नहीं कहा जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र की जनता की सहानुभूति देवेंद्र फडणवीस और शिंदे के बाजाय उद्धव ठाकरे के साथ है। भाजपा ने जानबूझकर देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री नहीं बनाया। जबकि देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनने की पूरी तैयारी में थे। उप मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी लेने के लिए उन्हें शीर्ष नेतृत्व की तरफ से मनाया गया। शिवसेना का असली वारिस तो बालासाहब ठाकरे का परिवार ही रहेगा। उद्धव ठाकरे भी नितिन गडकरी की तरह एक उदारवादी और सबको साथ लेकर चलने वाले राजनेता है। नितिन गडकरी और शिवराज सिंह चौहान जैसे राजनेता को बाहर रख भाजपा यह संदेश देने की कोशिश की है कि पार्टी में व्यक्ति नहीं विचारधारा का महत्व है। शिवराज सिंह चौहान को इसलिए बाहर किया गया कि राज्य विधानसभा चुनाव में उन्होंने बहुत अच्छा काम नहीं किया था। पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। लिहाजा उनका भी विकल्प तलाशने की कोशिश शुरू कर दी गई है। सबसे अहम सवाल यह उठता है कि देवेंद्र फडणवीस और नितिन गडकरी नागपुर से आते हैं। इसके बावजूद संसदीय बोर्ड से नितिन गडकरी का डिमोशन कर केंद्रीय चुनाव समिति में फडणवीस को लिया जाना सवाल खड़े करता है। हालांकि फडणवीस के लिए यह उद्धव सरकार गिराने और मुख्यमंत्री पद त्यागने का इनाम हो सकता मना है। भाजपा के संसदीय बोर्ड में जेपी नड्डा अध्यक्ष होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमितशाह, राजनाथ सिंह को शामिल किया गया है। जबकि पार्टी के पुराने अध्यक्षों को लेने की परंपरा रही है, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। बीएस येदुरप्पा को पहली बार शामिल किया गया है। पूर्वी भारत से सर्वानंद सोनेलाल के इतर के लक्ष्मण, पंजाब से लालपुरा जैसे नए चेहरे को शामिल किया गया। बीएल संतोष के साथ हरियाणा की सुधा यादव को भी जगह मिली है।

जातीय गणित को फिट करने के लिए सत्यनारायण जटिया को भी लिया गया है। बीएस येदुरप्पा को लाकर दक्षिण भारत से संगठन में महत्वपूर्ण व्यक्ति को रखने की कोशिश की गई। सभी जातियों और समुदाय से लोगों को शामिल कर सर्वसमाज की भागीदारी बनाने की कवायद है। लेकिन गडकरी जैसे राजनेता के साथ नाइंसाफी है। यह निर्णय भाजपा की राजनीति और उसके असली चरित्र को उजागर करता है।

धर्म

पहचान बनाएं

सद्गुरु

एक इंसान के तौर पर अगर हम अपनी क्षमता का इस्तेमाल नहीं करते, और एक कीड़े-मकोड़े की तरह रहने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह हमारे जीवन के लिए एक डरावनी सच्चाई नहीं होगी? लोग अक्सर आकर कहते हैं, 'मैं यह करना चाहता हूं, लेकिन..'। ऐसी अनेक खूबसूरत चीजें थीं, जो इंसान कर सकता था, लेकिन वह कर नहीं पाया, क्योंकि उसके पास एक 'लेकिन' था। हाल ही में किसी ने मुझसे कहा, 'गुरु मैं आपको अपना जीवन समर्पित करना चाहता हूं, लेकिन..'। यहां 'लेकिन' जैसी कोई चीज नहीं होती। अगर आप 'लेकिन', और 'परंतु' जैसे शब्दों की खोज कर लेते हैं तो आप एक ख्याल बनकर रह जाते हैं। क्योंकि तब आप अपने ख्यालों को अपने दिल और दिमाग से ज्यादा तरजीह दे रहे हैं। आपमें से किसी ने अगर ईशा योग कार्यक्रम को पूरा किया होगा, तो उस समय आपके मन में कहीं-न-कहीं, एक पल के लिए ही सही, यह विचार आया होगा-'यही असली चीज है'। यह एक वो पल था, जहां आपने अपने चरम का अनुभव किया था। उसी पल को आपको अपने जीवन का आधार बनाना चाहिए, न कि आपको अपने जीवन का आधार निराशा, ईर्ष्या, नफरत भरे क्षणों, आनंद विहीन पलों, को बनाना चाहिए। आपके जीवन के जो सबसे बेहतरीन अनुभव रहे हों, वही आपके जीवन के केंद्र बिंदु होने चाहिए। अगर आप अपनी पहचान अपने अनुभवों में आई छोटी चीजों से बनाते हैं, तो आपके विचार और भावनाएं हमेशा उन्हीं के आसपास काम करेंगे और फिर उन्हीं के इर्द-गिर्द आप अपने पूरे जीवन का निर्माण करेंगे। जीवन में हर चीज-चाहे वह घास का तिनका ही क्यों न हो, अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल कर रही होती है। चाहे वह कीड़ा हो, एक चिड़िया या एक पेड़-हर एक जीवन अपनी क्षमता के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करता है। एक इंसान के तौर पर अगर हम अपनी क्षमता का इस्तेमाल नहीं करते, और कीड़े-मकोड़े की तरह रहने की कोशिश करते हैं, तो क्या यह हमारे जीवन की भयंकर सच्चाई नहीं होगी? हमें हर हाल में अपनी परम संभावनाओं को पाने की कोशिश करनी चाहिए, चाहे हम अपनी गतिविधियों के जरिए इसे पाएं या शांत होकर-पहाड़ की तरह स्थिर और अचल होकर।

विचार मंथन

संकट में पाक

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

श्रीलंका की तरह पाकिस्तान भी गंभीर आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। पाकिस्तान में महंगाई दर पिछले एक दशक के उच्चतम स्तर पर है। देश में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतें और बिजली के भाव भी आसमान छू रहे हैं। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक स्थिति में है। जनता का शासन-व्यवस्था के प्रति विश्वास घट रहा है। अर्थव्यवस्था उस स्थिति में पहुंच गई है जहां रिकवरी मुश्किल ही नहीं, असंभव लगती है। देश ने दिशा खो दी है। एक समग्र राष्ट्र के लिए दो चीजें अत्यावश्यक होती हैं-सुचारू रूप से चलने वाला आर्थिक तंत्र और राजनीतिक स्थिरता। ये दोनों पहलू एक-दूसरे के पूरक हैं। शासन-प्रशासन राजनीतिक ध्रुवीकरण का शिकार है। गलत प्राथमिकताओं पर एकाग्रता के कारण गवर्नेंस के लिए मूलभूत नीतियों की अवहेलना की प्रवृत्ति ने पाकिस्तान को भयावह संकट के सामने ला खड़ा किया है। राजनीतिक और आर्थिक विफलताओं के कारण देश अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और बड़े देशों से कर्ज पर जीने के लिए मजबूर हो गया है। ये अब बार-बार इस्लामाबाद से कर्ज को चुकता करने के लिए कह रहे हैं। इनमें वे देश भी शामिल हैं, जिन्हें पाकिस्तान अपना मित्र कहता है। संक्षेप में, पाकिस्तानियों के लिए यह जानकारी हासिल करना बड़ी पहेली है कि कोई चीज किस हद तक उनकी अपनी है या सब गिरवी रखी हुई है। पाकिस्तान कर्ज में डूबा हुआ है। उसकी राहत का उपाय एक ही है, ज्यादा से ज्यादा कर्ज लेना। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से एक अन्य समझौता करने पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। आईएमएफ ने दो अरब डॉलर की मंजूरी के लिए कागजात तैयार कर लिए हैं, जिन पर पाकिस्तान को भरे हुए और निर्दिष्ट स्थानों पर दस्तखत करने हैं। आईएमएफ ने कर्ज के लिए कड़ी शर्तें रखी हैं। वह पाकिस्तान को सुस्पष्ट रूप से निर्देशित कर रहा है कि वह कर्ज में मिले एक-एक पैसे को कैसे खर्च करे। पाकिस्तान को अपना बजट आईएमएफ के अनुकूल बनाना होगा। यानी आईएमएफ के निर्देशानुसार करों को बढ़ाना, ईंधन कीमतों में वृद्धि करना और लगभग दैनिक आधार पर अपने फाइनेंस के मॉनिटरिंग की अनुमति देना आदि। यह स्थिति पाकिस्तान के लिए वित्तीय बंधक बनने के करीब ही है। अन्य आर्थिक मुद्दे भी हैं, जिन्हें संबोधित करने की जरूरत है। उसने चीन, सऊदी अरब और यूएई से जो भारी मात्रा में कर्ज लिया है, उसे चुकाने का कोई भी खाका तैयार नहीं है। इन देशों और आईएमएफ से लिए कर्ज को चुकाने की क्षमता पाकिस्तान की नहीं है। वह सतत राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद से बुरी तरह घिरा हुआ है। साथ ही इन समस्याओं से प्रभावशाली तरीके से निपटने में अक्षम है। सरकार को पता ही नहीं है कि धीरे-धीरे बिगड़ते इस हालात का मुकाबला कैसे करना है। इस परिदृश्य को पिछले वर्ष अक्टूबर में चित्रित किया गया था और आज की स्थिति में एक यूएस डॉलर पाकिस्तानी दो सौ रुपए से ज्यादा का है, पेट्रोल प्रति लीटर ढाई सौ रुपए बिक रहा है और महंगाई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के अनुसार 21.32 फीसदी हो गई, जो हाल के वर्ष में सबसे ज्यादा है। मुद्रास्फीति इतनी ऊंचाई पर है कि आम पाकिस्तानी दयनीयता और कष्टों के बोझ तले दबा है। परिवहन सेवाओं की दरों में उच्च स्तर पर वृद्धि से इनपुट लागत बढ़ी, मुद्रास्फीति का प्रतिशत अस्वीकार्य रूप से बढ़ गया। पाकिस्तानी मीडिया ने इन सब मुद्दों पर ध्यान खींचा है, पर देश में घोर असहायपन की भावना घर कर गई है। घरेलू स्तर पर, आम लोगों को आर्थिक बदहाली से बाहर निकालने के लिए अमीरों पर सुपर टैक्स लगाने के ऐलान से भी उनकी तकलीफों का अंत होता नजर नहीं आता। आर्थिक संकट हताशा को जन्म देता है और असहाय लोगों को खतरनाक और आततायी कृत्यों की ओर धकलेती है। वे अपराध करते हैं और अंततः उनके कदम आतंकवाद की ओर बढ़ जाते हैं। पाकिस्तान की आर्थिक मदद करने वाले देश चाहते हैं कि वह अपने बलबूते पर संसाधनों का निर्माण करे। उन्हें अपने कर्ज के वापसी की चिंता है।

पिता की विरासत

कभी रह पायेंगे रुश्दी दिल्ली के बंगले में!

पिता की विरासत/विवेक शुक्ला

चोटी के लेखक सलमान रुश्दी पर जानलेवा हमले से दुनिया स्तब्ध है। भारतीय मूल के लेखक के स्वस्थ होने की सारी दुनिया कामना कर रही है। इस बीच, यह सवाल भी बना हुआ है कि मिडनाइट चिल्ड्रन और सेटेनिक वर्सेज के लेखक सलमान रुश्दी कभी उस दिल्ली में रहेंगे, जिससे उनके पिता अनीस अहमद का संबंध था। वे अपने पिता के राजधानी के पॉश फ्लैग स्टाफ रोड पर स्थित 4 नंबर के बंगले को लेने के लिये कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। दरअसल राजधानी के सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन से कुछ ही दूर है फ्लैग स्टाफ रोड। सिविल लाइंस के ही एक घर में बाबा साहेब अंबेडकर ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष गुजारे थे। दरअसल, घने पेड़ों की हरियाली वाले फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले कई-कई एकड़ में फैले हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का सरकारी आवास भी फ्लैग स्टाफ रोड पर ही है। सलमान रुश्दी के पिता अनीस अहमद दिल्ली के मशहूर वकील थे। वे दीवानी मामलों में जिरह करना पसंद करते थे। वे तीस हजारी में प्रैक्टिस किया करते थे। उन्होंने सने 1946 फ्लैग स्टाफ रोड का बंगला खरीदा था। वे पहले सपरिवार बल्लीमरान में ही रहते थे। दिल्ली स्थित जाकिर हुसैन कॉलेज के लंबे समय तक प्रिंसिपल रहे प्रो. रियाज उमर बताते हैं कि पैसा आया तो अनीस अहमद ने सुंदर-सा बंगला खरीद लिया। वे एंग्लो एराबिक स्कूल की मैनेजमेंट से भी जुड़े हुए थे। अनीस अहमद हमेशा वेल ड्रेस रहना पसंद करते थे। अनीस अहमद दिन भर की मारामारी के बाद शामें कनॉट प्लेस के मरीना होटल (अब रेडिसन ब्लू होटल) में ही गुजारना पसंद करते थे। इसी होटल में गांधी जी का हत्यारा नाथूराम गोडसे भी ठहरा था। कहते हैं, अनीस अहमद 1960 के दशक में लंदन चले गए। वे देश के बंटवारे के समय भी पाकिस्तान नहीं गए थे। लंदन से कभी-कभार ही दिल्ली आते। वे 1970 में दिल्ली आए। यहां उनका कुनबा और तमाम दोस्त थे ही। तब उन्होंने राजपुर रोड के एक प्रॉपर्टी डीलर लज्जा राम कपूर की मध्यस्थता से अपना बंगला स्वाधीनता सेनानी और कारोबारी भीखूराम जैन को 300 रुपये मासिक रेंट पर दे दिया। भीखू राम जैन का परिवार बढ़ रहा था। इसलिए उन्होंने 4 फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले को तुरंत किराए पर ले लिया ताकि परिवार के कुछ मेंबर वहां पर शिफ्ट कर लें। पर इस डील के चंदेक दिनों के बाद अनीस अहमद फिर से भीखूराम जैन से मिले। उनके साथ लज्जा राम कपूर भी थे। उन्होंने जैन से अपने बंगले को खरीदने की पेशकश की। 1980 में चांदनी चौक से लोकसभा के लिए चुने गए भीखूराम जैन अनीस अहमद के बंगले को खरीदने के लिए राजी हो गए। तय हुआ कि वे 3.75 लाख रुपये में बंगला खरीद लेंगे। उन्होंने 50 हजार रुपए बयाना अनीस अहमद को दे दिया। शेष रकम 15 महीने में दी जानी थी। अनीस अहमद बयाना लेकर एक बार जो लंदन गए तो वे फिर कभी नहीं लौटे। वहां पर ही उनकी मृत्यु हो गई। एक बार भीखूराम जैन ने इस लेखक को अपने राजपुर वाले घर में बताया था कि उन्होंने अनीस अहमद को बार-बार भारत बुलाया ताकि डील को अंतिम रूप दिया जा सके। पर वे नहीं आए। ताजा सूरते हाल यह है कि 4 फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले के स्वामित्व को लेकर विवाद जारी है। अब भीखूराम जैन, अनीस अहमद और लज्जाराम कपूर को गुजरे हुए भी एक जमाना हो गया। बहरहाल, 4 फ्लैग स्टाफ रोड बंगले के मालिकाना हक के लिए आधी सदी से केस चल रहा है। जैन साहब के बाद उनके पुत्र नरेन केस को लड़ रहे हैं। वे सलमान रुश्दी पर हुए हमले से आहत हैं। कहते हैं, ये गलत हुआ है। इस बीच, बता दें कि सलमान रुश्दी का हिमाचल प्रदेश के सोलन में शिल्ली रोड पर उपायुक्त रेजिडेंस के पास एक बंगला भी है, जिसमें करीब 11 कमरे, हॉल, बेड रूम, किचन वगैरह है। वे यहां साल 2002 में आखिरी बार आये थे। इस बंगले को एक केयरटेकर देखता है। इस बीच, हो सकता है कि नौजवान पीढ़ी भीखूराम जैन से पूरी तरह से परिचित न हो। उनके जीवन काल में ही उनका घर लैंडमार्क बन गया था। वे गांधी जी के आह्वान पर स्वाधीनता आंदोलन में कूदे थे। उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भी भाग लिया।

मिजोरम में पैदा अनानास का स्वाद चखेंगे दुबई वाले , पहली खेप निर्यात की गई

आइजोल । पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम अब फलों की खेती करने में नए आयाम रच रहा है यहां उगाए गए अनानास को पहली बार दुबई निर्यात किया गया है। पहली खेप के तौर पर 230 किलोग्राम अनानास शुक्रवार को दुबई के लिए रवाना किया गया। मिजोरम के उप मुख्यमंत्री तॉनलुइया ने अनानास की इस निर्यात खेप को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि राज्य में उगाए गए अनानास को कतर की राजधानी दोहा में और बहरीन भी भेजन की तैयारी चल रही है। अधिकारियों ने बताया कि खार्जाल जिले के सैलहाँक गांव के किसानों ने अनानास की खेती की है। उसमें से 230 किलोग्राम अनानास की खेप को दुबई रवाना किया गया। राज्य के बागवानी विकास बोर्ड उपाध्यक्ष एफ लालननमाविया ने इसे मिजोरम के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि बताया। बागवानी विभाग में सचिव के ललथममाविया ने बताया कि सैलहाँक से और 900 किलो अनानास को दुबई भेजा जाएगा। इसके अलावा 740-740 किलो की खेप जल्द ही कतर और बहरीन भी भेजी जाएगी।

यूनी कार्ड ने दो उत्पादों की सेवाएं बंद की

नई दिल्ली । प्रीपेड पेमेंट कार्ड कंपनी यूनी कार्ड ने भारतीय रिजर्व बैंक के जून में जारी निर्देश के बाद अपने दो उत्पादों की सेवाएं बंद कर दी है। इस निर्देश में ग्राहकों को कार्ड पर कर्ज सुविधा की पेशकश से मना किया गया है। कंपनी ने कहा कि उसने आरबीआई के 20 जून, 2022 को जारी दिशानिर्देश के तहत सुविधा बंद करने का निर्णय किया है। दिशानिर्देश में प्रीपेड भुगतान उत्पादों (पीपीआई) में कर्ज सुविधा के जरिए रकम डालने से मना किया गया है। यूनी कार्ड ने कहा कि हमने अपने उत्पादों यूनी पे 1/3 कार्ड और यूनी पे 1/2 कार्ड की सेवाएं बंद कर दी है। यह प्रक्रिया शुरू हो गई है और सोमवार 22 अगस्त को पूरी होगी। आरबीआई ने गैर-बैंक प्रीपेड भुगतान उत्पाद जारी करने वाली इकाइयों को पीपीआई कार्ड कर्ज सुविधा उपलब्ध कराने से मना किया है और उन्हें तत्काल इसे बंद करने को कहा है।

डीबी पावर का 7,017 करोड़ में अधिग्रहण करेगी अडाणी पावर

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र की बिजली कंपनी अडाणी पावर ने डीबी पावर लिमिटेड का 7,017 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करने की घोषणा की है। डीबी पावर लिमिटेड के पास छत्तीसगढ़ के जांजगीर चंपा जिले में 600-600 मेगावॉट की दो इकाइयां (दो गुना 600) हैं जिनका वह परिचालन करती है। अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पावर ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के पास 923.5 मेगावॉट क्षमता को लेकर दीर्घकालीन और मध्यावधि बिजली खरीद समझौता है। साथ ही ईंधन आपूर्ति के लिये कोल इंडिया के साथ करार है और कंपनी लाभ में है। सूचना के अनुसार अडाणी पावर डीबी पावर के अधिग्रहण को सहमत हुई है। कंपनी के पास छत्तीसगढ़ के जांजगीर चंपा जिले में 600-600 मेगावॉट की दो इकाइयां हैं। यह अधिग्रहण उपक्रम मूल्य 7,017 करोड़ रुपए में होगा। यह सौदा बंद होने की तिथि के समायोजन पर निर्भर है। अडाणी पावर सौदे के तहत डिलिजेंट पावर प्राइवेट (डीपीपीएल) के कुल जारी, अभिदान वाले और चुकता शेयर के साथ तरजीही शेयर का अधिग्रहण करेगी। डीपीपीएल, डीबी पावर की होल्डिंग कंपनी है। अधिग्रहण की समयसीमा के बारे में कंपनी ने कहा कि शुरुआती समझौते के तहत यह तीन अक्टूबर, 2022 तक पूरा होगा। हालांकि, आपसी सहमति से इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। इस अधिग्रहण से अडाणी पावर छत्तीसगढ़ में तापीय बिजली क्षेत्र में विस्तार कर सकेगी।

एनटीपीसी और टाटा मोटर्स से भी आगे निकला गौतम अडानी पावर का शेयर

नई दिल्ली । शेयर बाजार में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप की अधिकांश कंपनियों में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही। ग्रुप की कंपनी अडानी पावर का शेयर बीएसई पर कारोबार के दौरान चार फीसदी से भी अधिक तेजी के साथ 419 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका अब तक का उच्चतम स्तर है। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 1.60 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की इस कंपनी ने एक ही झटके में सरकारी बिजली कंपनी एनटीपीसी टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा को पीछे छोड़ दिया। अडानी पावर मार्केट कैप के हिसाब से देश की 34वीं सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई है। अडानी ग्रुप का शेयर शुक्रवार को 2.88 फीसदी तेजी के साथ 410.90 रुपए पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में अडानी पावर के शेयरों में 41 फीसदी तेजी आई है जबकि इस दौरान बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 10 फीसदी उठा है। इस साल अडानी पावर के शेयरों में अब तक 318 फीसदी तेजी आ चुकी है जबकि इस दौरान सेंसेक्स में केवल 1.9 फीसदी तेजी आई है। जून तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 17 गुना बढ़कर 4,780 करोड़ रुपए रहा था, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 278 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। अडानी ग्रुप की अधिकांश कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को तेजी रही। हालांकि अडानी ट्रांसमिशन का शेयर 0.62 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। यह मार्केट कैप के लिहाज से ग्रुप की सबसे मूल्यवान कंपनी है। इसका मार्केट कैप 404,366.10 करोड़ रुपये है। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर में 5.44 फीसदी, अडानी पोर्ट्स में 4.27 फीसदी तेजी रही। अडानी एंटरप्राइजेज में 0.85 फीसदी, अडानी टोटल गैस के शेयर में 1.54 फीसदी और अडानी विल्मर में 0.40 फीसदी गिरावट रही।

पेटीएम के शेयर की कीमत पर हमारा कोई दखल नहीं: शर्मा

नई दिल्ली: डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम की संचालक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी विजय शेखर शर्मा ने कहा है कि कंपनी शेयरों के भाव पर किसी तरह का दखल नहीं रखती है लेकिन प्रबंधन कंपनी को लाभप्रद बनाने के प्रयास में जुटा हुआ है। शर्मा ने शुक्रवार को सम्पन्न कंपनी की 22वीं वार्षिक आमसभा (एजीएम) में शेयरधारकों से यह बात कही। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 तक कंपनी विस्तार की मुहिम में लगी हुई थी और वर्ष 2019-20 से इसने कमाई पर ध्यान देना शुरू किया। एजीएम में शामिल प्रतिभागियों के मुताबिक, शर्मा ने कहा कि पेटीएम ब्रांड जुलाई-सितंबर 2023 की तिमाही से परिचालन लाभ अर्जित करने की स्थिति में आ जाएगा। शर्मा ने कहा, ''शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव पर हमारा कोई दखल नहीं होता है। इसके कई कारक होते हैं। इसमें कंपनी के लाभ में होने का पहलू काफी अहम होता है। इसके अलावा कंपनी की भविष्य की वृद्धि की प्रक्रिया भी अहम होती है। इसके साथ वृहद एवं सूक्ष्म आर्थिक स्थिति, अंतरराष्ट्रीय निवेशक और कई अन्य धारणाओं की भी शेयर कीमत तय करने में भूमिका होती है।

यूपीआई से भुगतान पर देना पड़ सकता है चार्ज! आरबीआई लाने जा रहा ये नया नियम

नई दिल्ली । शापिंग के बाद भुगतान करने के लिए डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूपीआई का इस्तेमाल करने वालों के यह खबर झटका देने वाली है क्योंकि इस पर आपको चार्ज देना पड़ सकता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) यूपीआई के जरिए किए जाने वाले भुगतान पर चार्ज लगा सकता है। इतना ही नहीं डेबिट कार्ड से भुगतान करना भी आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। दरअसल आरबीआई ने पेमेंट सिस्टम चार्जेस पर एक समीक्षा पेपर जारी किया है। इस पेपर में रुपयों के लेनदेन में पारदर्शिता लाने से लेकर पेमेंट सिस्टम को बेहतर बनाने तक की बात की गई है। इसमें ऑनलाइन पेमेंट सभी माध्यम जैसे यूपीआई, क्रेडिट और डेबिट कार्ड आदि सभी तरह के पेमेंट सिस्टम मौजूद है। आरबीआई की तरफ फंड ट्रांसफर पर लगने वाली लागत को निकालने के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। आरबीआई ने चार्ज लगाने को लेकर लोगों से सलाह भी मांगी है। इस पेपर में यह भी सुझाव मांगा गया है कि यूपीआई में चार्ज एक निश्चित रेट पर लिया जाए या पैसे ट्रांसफर करने के हिसाब से लिया जाए। बता दें कि फिलहाल यूपीआई ट्रांजैक्शन पर किसी तरह का शुल्क नहीं लिया जा सकता है। एनपीसीआई के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में हर महीने यूपीआई पेमेंट का इस्तेमाल करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। आंकड़े बताते हैं कि देश में कुल 600 करोड़ ट्रांजेक्शन सिर्फ बीते जुलाई के महीने में किए गए हैं। इसमें कुल 10.2 लाख रुपये की रकम का लेन देन की गई है। देश में यूपीआई इस्तेमाल करने वालों की दर में करीब 7 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। डेबिट कार्ड के इस्तेमाल पर भी रिजर्व बैंक शुल्क वसूलने के बारे में विचार कर रहा है। हालांकि आरबीआई ने कहा है कि कोई किसी भी अंतिम फैसले को लेने से पहले सभी के सुझाव को देखा जाएगा।

आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति, वैश्विक संतुलन मामले में भारत अच्छी स्थिति में: वित्त मंत्रालय

– भारत में मुद्रास्फीतिक दबाव में नरमी आने की संभावना

नई दिल्ली । सरकार के नीतिगत और भारतीय रिजर्व बैंक के मौद्रिक नीति उपायों से देश चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि, मुद्रास्फीति और वैश्विक स्तर पर संतुलन के मामले में दो महीने पहले के मुकाबले बेहतर स्थिति में है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई मासिक आर्थिक समीक्षा में यह कहा गया है। समीक्षा में कीमत स्थिति के बारे में कहा कि वैश्विक स्तर पर जिंसों के दाम में नरमी के साथ केंद्रीय बैंक के नीतिगत कदम और सरकार की राजकोषीय नीतियों से आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति को लेकर दबाव पर अंकुश लगेगा। इसमें कहा गया है कि भारत में मुद्रास्फीतिक दबाव में नरमी आने की संभावना है। इसका कारण लौह अयस्क, तांबा और टिन जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों का जुलाई, 2022 में नीचे आना है। ये सामान घरेलू विनिर्माण प्रक्रिया के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई, 2022 में नरम होकर 6.7 प्रतिशत पर आ गई है, जो इससे पिछले महीने में 7.01 प्रतिशत पर थी। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने 2022-23 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। यह बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। आरबीआई ने वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान रखा है। जीएसटी संग्रह, पीएमआई (परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स), ई-वे बिल जैसे कुछ प्रमुख आंकड़े 2022-23 के पहले चार महीनों में आईएमएफ के अनुमान के अनुरूप हैं। समीक्षा के अनुसार, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और आठ बुनियादी उद्योगों का प्रदर्शन औद्योगिक गतिविधियों में मजबूती का संकेत देता है। वहीं पीएमआई विनिर्माण जुलाई में आठ महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह नए कारोबार और उत्पादन में वृद्धि को दर्शाता है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, बाह्य मोर्चे पर रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से निवेशकों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे पूंजी निकासी हुई। यह स्थिति न केवल भारत में है बल्कि अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) में भी देखने को मिली। भारत के अलावा अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं की विनिमय दर में भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इस साल जनवरी से जुलाई के दौरान गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं से इस दौरान 48 अरब डॉलर निकाले। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के आर्थिक परिदृश्य में वैश्विक निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। इसका पता 2022-23 की पहली तिमाही में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से पता चलता है जो 13.6 अरब डॉलर पर मजबूत बना हुआ है। जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान यह 11.6 अरब डॉलर था। इसमें कहा गया है कि 2022-23 के लिए भारत का वृद्धि परिदृश्य अभी भी ऊंचा बना हुआ है और मजबूत पुनरुद्धार की पुष्टि करता है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार निजी क्षेत्र और बैंकों के बही-खाते बेहतर हैं। कर्ज लेने और ऋण देने का जज्बा दिख रहा है। जिंसों की कीमतों में वृद्धि के कारण उत्पन्न व्यापार संतुलन जैसे कुछ झटकों को छोड़कर ऐसा लगता है कि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में भी आर्थिक वृद्धि अपनी गति बनाए रखेगी।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) लगातार पांचवें सप्ताह शेयर बाजार में तेजी रही

- सेंसेक्स 651 अंक की गिरावट के साथ 59,646 पर बंद - निफ्टी 198 अंक गिरावट के साथ 17,758 पर बंद

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांचवें सप्ताह तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को शेयर बाजार तेजी के साथ खुले ले किन गिरावट के साथ बंद हुए। विशेषज्ञों का कहना है कि कमजोर वैश्विक रुख के बीच मुनाफावसूली से घरेलू शेयर बाजार पर असर पड़ा। ब्याज दरों में वृद्धि का असर भी बाजार पर दिखाई दिया, बिकवाली चौतरफा रही। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों के शेयरों में गिरावट से सूचकांक नीचे आया है। बीते सप्ताह सोमवार को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर अवकाश रहने की वजह से शेयर बाजार में चार दिन कारोबार हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन मंगलवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 395.29 अंक बढ़कर 59,858.07 पर खुला और 379.43 अंक की बढ़त के साथ 59,842.21 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 105.2 अंक चढ़कर 17,803.35 पर खुला और 127.10 अंक बढ़कर 17,825.25 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स पूर्व सप्ताह कारोबार में 141.62 अंक बढ़कर 59,983.83 पर खुला और 417.92 अंक की वृद्धि के साथ 60,260.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 48.25 अंक चढ़कर 17,873.50 पर खुला और 119 अंक चढ़कर 17,944.25 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 214.11 अंक गिरकर 60,046.02 पर खुला और 37.87 अंक की बढ़त के साथ 60,298 पर बंद हुआ। निफ्टी 61.85 अंक गिरकर 17,882.40 पर खुला और 12.25 अंक की बढ़त के साथ 17,956.50 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 113.2 अंक बढ़कर 60,411.20 पर खुला और 651.85 अंक की गिरावट के साथ 59,646.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 35.7 अंक चढ़कर 17,992.20 पर खुला और 198.05 अंक बड़ी गिरावट के साथ 17,758.45 पर बंद हुआ।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । सरकारी तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, नोएडा-लखनऊ जैसे शहर में शुक्रवार को तेल की कीमतों में नरमी आई है। हालांकि, कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई सहित देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम आज भी स्थिर रखे हैं। कच्चे तेल की बात की जाए तो पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड 3 डॉलर से ज्यादा बढ़कर 96.58 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.93 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

बैंकों को तेजी से निजी हाथों में सौंपे जाने से नुकसान ही होगा: आरबीआई बुलेटिन

- तेजी से निजीकरण के बजाय धीरे-धीरे निजीकरण की योजना अधिक बेहतर

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में 'सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का निजीकरण: एक वैकल्पिक नजरिया शीर्षक के तहत प्रकाशित सरकारी बैंकों के निजीकरण संबंधी विचार पर आरबीआई ने सफाई दी है। रिजर्व बैंक का कहना है कि धीरे-धीरे निजीकरण वाले विचार आरबीआई के नहीं हैं बल्कि यह लेखकों की अपनी सोच है। बकौल आरबीआई यह विचार आरबीआई की सोच से कतई मेल नहीं खाते हैं। आरबीआई बुलेटिन के अगस्त अंक में प्रकाशित इस लेख में कहा गया है कि सरकार के निजीकरण की ओर धीरे-धीरे बढ़ने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि वित्तीय समावेश के सामाजिक उद्देश्य को पूरा करने में एक खालीपन न पैदा हो। लेख के अनुसार अगर बैंकों का बहुत तेजी से निजी हाथों में सौंपा जाता है तो इससे फायदे की जगह नुकसान होगा। इसके बाद आरबीआई ने सफाई जारी की है। गौरतलब है कि सरकार पहले ही 2 सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा कर चुकी है। आरबीआई की सफाई में कहा गया है कि लेखकों के अनुसार, तेजी से निजीकरण के बजाय सरकार की धीरे-धीरे सरकारी बैंकों की निजीकरण की योजना अधिक बेहतर है।

लेख में यह भी कहा गया है कि हाल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बड़े स्तर पर विलय से क्षेत्र में मजबूती आई है। इससे मजबूत और प्रतिस्पर्धी बैंक सामने आए हैं। गौरतलब है कि सरकार ने 2020 में 10 राष्ट्रीयकृत बैंकों का चार बड़े बैंकों में विलय कर दिया था। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या घटकर 12 रह गई है, जो 2017 में 27 थी । आरबीआई ने अपने बुलेटिन में लिखा था कि पब्लिक सेक्टर बैंक सिर्फ अधिकतम मुनाफा कमाने के मकसद से काम नहीं करते। इन्हें होने ज्यादा से ज्यादा लोगों तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने के जरूरी लक्ष्य को भी अपने कामकाज में जिस तरह से समाहित किया है, वैसा निजी क्षेत्र के बैंक नहीं कर पाए हैं। रिजर्व बैंक का मानना है कि अब देश इस आर्थिक सोच से काफी आगे निकल आया है कि निजीकरण ही हर मर्ज की दवा है। अब हम इस बात को मानने लगे हैं कि इस दिशा में आगे बढ़ते समय ज्यादा सावधानी और सोच-विचार से काम लेना जरूरी है।

चीन में नरमी भारत में विनिर्माण क्षेत्र के लिए अवसर-विशेषज्ञ

मुंबई । चीन में घरेलू और वैश्विक कारणों से आर्थिक वृद्धि में नरमी भारत के विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक मौका है। इसको देखते हुए देश को निवेश आकर्षित करने और वैकल्पिक वैश्विक आपूर्ति केंद्र के रूप में उभरने के लिए अपने विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करने की जरूरत है। संपत्ति क्षेत्र में समस्या और कोविड महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण चीन की आर्थिक वृद्धि दर इस साल घटकर 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके अलावा ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव भू-राजनीतिक अस्थिरता में बदल सकता है। इससे दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से कच्चे माल और उपकरणों की आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने 2022 के लिए चीन की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जबकि पूर्व में इसके 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई थी। इनक्रेड पीएमएस के पोर्टफोलियो प्रबंधक आदित्य सूद ने कहा कि चीन में नरमी भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सहित विभिन्न कदमों से वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार .23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में फिर कमी देखी गई है। 12 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में यह 2.23 अरब डॉलर घटकर 570.74 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.61 अरब डॉलर हो गया था। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, इससे पहले 5 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 89.7 करोड़ डॉलर घटकर 572.97 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले 29 जुलाई को खत्म हुए सप्ताह के दौरान, विदेशी मुद्रा भंडार 2.315 अरब डॉलर बढ़कर 573.875 अरब डॉलर हो गया था। 12 अगस्त को खत्म हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में यह गिरावट मुख्य रूप से फॉरेन करेंसी एसेट (एफसीए) में आई कमी की वजह से हुई जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिजर्व बैंक ने कहा कि रिपोर्टिंग वीक में भारत की एफसीए 2.65 अरब डॉलर घटकर 506.99 अरब डॉलर रह गई । डॉलर में बताई जाने वाली एफसीए में विदेशी मुद्रा भंडार में रखी यूरो, पाउंड और येन जैसी दूसरी विदेशी मुद्राओं के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव भी शामिल होता है। इस दौरान गोल्ड रिजर्व का मूल्य 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.61 अरब डॉलर हो गया। रिपोर्टिंग वीक में, इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड (एमआईएफ) में देश का एसडीआर 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.13 अरब डॉलर हो गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 70 लाख डॉलर बढ़कर 4.99 अरब डॉलर से अधिक हो गया।

अकासा एयर की बेंगलुरु-मुंबई उड़ान सेवा शुरू

- सितंबर अंत तक 150 से अधिक साप्ताहिक उड़ानों की उम्मीद

नई दिल्ली । एयरलाइन कंपनी अकासा की बेंगलुरु-मुंबई मार्ग पर उड़ान सेवा शुरू हो गई है। एयरलाइन ने सात अगस्त को परिचालन शुरू किया था। अब तीन मार्गों मुंबई-अहमदाबाद, बेंगलुरु-कोच्चि और बेंगलुरु-मुंबई मार्ग पर उड़ान सेवा दे रही है। फिलहाल एयरलाइन बेंगलुरु-मुंबई मार्ग पर रोजाना दो-दो उड़ानों का ऑपरेशन करेगी। कंपनी ने कहा कि बाद में बेंगलुरु-मुंबई मार्ग पर परिचालन का विस्तार करेगी। इसके तहत 30 अगस्त, 2022 से एक अतिरिक्त दैनिक उड़ान और दूसरी उड़ान 19 सितंबर, 2022 से शुरू करेगी। एयरलाइन 10 सितंबर से बेंगलुरु को चेन्नई से जोड़ने वाले मार्ग पर भी उड़ान सेवा शुरू करेगी। उसे सितंबर अंत तक साप्ताहिक उड़ानों की संख्या 150 पार कर जाने की उम्मीद है। कंपनी अब तक पांच शहरों मुंबई, अहमदाबाद, कोच्चि, बेंगलुरु और चेन्नई के लिए छह मार्गों पर उड़ानों की घोषणा कर चुकी है। वर्तमान में एयरलाइन के पास तीन विमान हैं। इसकी हर दो सप्ताह में एक नया विमान जोड़ने की योजना है और मार्च, 2023 के अंत तक इसके बेड़े में 18 विमान होंगे।

उल्लेखनीय है कि अकासा एयर के प्रमुख निवेशक राकेश झुनझुनवाला के निधन के बाद एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विनय दुबे ने 17 अगस्त को कहा था कि नई एयरलाइन कंपनी और विमानों के आर्डर देने को लेकर वित्तीय रूप से पर्याप्त मजबूत है। दरअसल कंपनी के बड़े निवेशक राकेश झुनझुनवाला के निधन के बाद ये कयास लगाए जाने लगे थे कि अकासा का क्या होगा? कंपनी ने इस घोषणा के साथ एक तरह से यह भी स्पष्ट किया है कि अकासा पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह नई एयरलाइन अपनी योजना के मुताबिक आगे बढ़ती रहेगी। अकासा एयर को जुलाई की शुरुआत में एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए से एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट मिला था। अकासा एयर को 21 जून को अपने पहले बोइंग 737 मैक्स विमान की डिलीवरी भी मिल गई थी। उसके बाद कंपनी ने अगस्त से अपनी सेवा शुरू कर दी थी।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

विराट के अंतिम सैकड़ा को बनाए 1000 दिन पूरे, पर अभी भी रन बनाने में हैं अव्वल

नई दिल्ली । टीम इंडिया के बल्लेबाज विराट कोहली के फॉर्म को लेकर हो रही कनाफूसी के बीच शुक्रवार (19 अगस्त) को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाए हुए को 1000 दिन पूरे हो गए। इंग्लैंड के क्रिकेट फैंस की संस्था बार्मी आर्मी तो ट्विटर पर विराट का मजाक बनाती भी नजर आई। लेकिन क्या विराट सच में इतना बुरा खेल रहे हैं, की सेंचुरी न बना पाने के कारण वह लोगों के गुस्से का शिकार हो रहे हैं तो जवाब है न। विराट अभी भी भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में से एक हैं। भले ही इन 1000 दिनों में विराट ने कोई शतक नहीं लगाया लेकिन सबसे ज्यादा अर्धशतक उनके नाम ही रहे। अगर विराट के आंकड़े देखें जाए तो पता चलता है कि इन 1000 दिनों में विराट कोहली ने 79 पारियों में 2554 रन बनाए हैं। अकेले रोहित शर्मा ही 2634 रन (70 पारियां) बनाकर उनसे ऊपर चल रहे हैं। इसके बाद 2505 रन के साथ ऋषभ पंत (76 पारियां), 2328 रन के साथ केएल राहुल (57 पारियां) और 2001 रन के साथ श्रेयस अय्यर (61 पारियां) का नाम आता है। बता दें कि इन 1000 दिनों में विराट कोहली भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा 24 अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके बाद केएल राहुल (23), रोहित शर्मा (20), श्रेयस अय्यर (18) और ऋषभ पंत (18) का नाम आता है।

कीवी आक्रमण के सामने ढेर हुई विंडीज, दूसरा वनडे 50 रन से गंवाया

(एजेंसी)।

बारबाडोस के मैदान पर न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली है। विंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे मुकाबले को कीवी गेंदबाजों ट्रेंट बोल्ट और टिम साऊथी ने शानदार गेंदबाजी कर अपनी टीम के नाम लिख दिया। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 212 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी विंडीज टीम 161 रन बनाकर आऊट हो गई। डकवर्थ लुईस नियम के तहत विंडीज यह मैच 50 रन से हारा। हालांकि पहले वनडे जीतने के बाद विंडीज ने दूसरे वनडे में शानदार शुरूआत की थी। विंडीज तेज गेंदबाज जेसन होल्डर ने शुरूआती ओवरों में ही मार्टिन गुप्टिल और टॉम लैथम के विकेट निकालकर न्यूजीलैंड का स्कोर 31 रन पर तीन विकेट कर दिया था। लेकिन यही से फिन ऐलन के साथ डिरेल मिचेल ने शानदार साझेदारी कर स्कोर को आगे बढ़ाया। फिन ऐलन 117 गेंदों में सात चौके और तीन छक्कों की मदद से 96 रन बनाने में सफल रहे। मिचेल ने 63 गेंदों में 2 चौके और दो छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। अंत के ओवरों में सेंटनर ने 26 तो बोल्ट ने 16 रन बनाए। विंडीज की ओर से केविन सिन्क्लेयर ने 8.2 ओवरों में 41 रन देकर चार विकेट लिए जबकि जेसन होल्डर 9 ओवर में दो मेडन के साथ 24 रन देकर तीन विकेट लेने में सफल रहे। इसी तरह अकिल हुसेन ने 51 रन देकर दो तो अल्जारी जोसेफ ने 47 रन देकर एक विकेट हासिल किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी विंडीज टीम

की शुरूआत बेहद खराब रही। कीवी गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और टिम साऊथी ने शानदार गेंदबाजी कर स्कोर 72 रन पर 8 विकेट ला दिया। काइल मायर्स, शमरह ब्रूक्स और जेसन होल्डर शून्य पर ही आऊट हो गए। आठवें नंबर के बल्लेबाज यानिक ने 84 गेंदों में 52 तो अल्जारी जोसेफ 31 गेंदों में 49 रन बनाकर विंडीज को 150 रन से पार कराया। हालांकि विंडीज लक्ष्य तक पहुंच नहीं पाई और 161 रन पर ऑल आऊट हो गई। इस तरह डकवर्थ लुईस नियम के तहत न्यूजीलैंड ने यह मैच 50 रन से जीत लिया।

एआईएफएफ प्रतिबंध : फीफा, एएफसी से भारतीय क्लबों को खेलने की अनुमति देने का आग्रह

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

खेल मंत्रालय ने विश्व फुटबॉल की संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) से अनुरोध किया है कि वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर प्रतिबंध के बावजूद भारतीय क्लबों श्री गोकुलम केरल एफसी और एटीके मोहन बागान को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रतियोगिताओं में भाग लेने की अनुमति दें। फीफा द्वारा सोमवार की देर रात एआईएफएफ को निलंबित करने से अजीब स्थिति पैदा हो गई क्योंकि गोकुलम केरल की महिला टीम अपनी दूसरी एएफसी महिला क्लब चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान पहुंच चुकी थी। महिला टीम को कारशी में 23 अगस्त को ईरान की एक टीम और 26 अगस्त को मेजबान देश की एक टीम के खिलाफ खेलना है जबकि एटीके मोहन बागान सात सितंबर को बहरीन में एएफसी कप 2022 (अंतर क्षेत्र सेमीफाइनल) में खेलने की तैयारी कर रहा है। मंत्रालय ने फीफा और एएफसी को ईमेल लिखकर उन्हें इस तथ्य से अवगत कराया गया कि फीफा के एआईएफएफ के निलंबन की घोषणा करने से पहले ही गोकुलम केरल की टीम उज्बेकिस्तान पहुंच गई थी। प्रतिबंध की खबर के बाद गोकुलम केरल महिला टीम के अध्यक्ष वीसी प्रवीण ने खेल मंत्रालय को फोन किया था और खिलाड़ी उनके साथ खड़े थे। मंत्रालय ने तब इस मामले को एएफसी के साथ उठाया था जिसने टीम के ताशकंद में अतिरिक्त 48 घंटे रुकने की पेशकश की थी।

केएल राहुल की वापसी हुई फीकी, 1 रन पर आऊट, फैंस ने लगाई क्लास

हरारे ।(एजेंसी)

टीम इंडिया में लंबे समय बाद वापसी कर रहे केएल राहुल की वापसी निराशाजनक रही। जिम्बाबे के खिलाफ दूसरे वनडे में ओपनिंग पर आए केएल राहुल महज एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। राहुल को पहले वनडे में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था क्योंकि शिखर धवन और शुभमन गिल ने नाबाद 81 और 82 रन बनाकर टीम इंडिया को 10 विकेट से जीत दिला दी थी। दूसरे वनडे में केएल राहुल खुद ओपनिंग पर आए लेकिन बड़ा स्कोर किए बगैर पवेलियन लौट गए। राहुल को गेंदबाज न्याउची ने पगबाधा आऊट किया। हालांकि दूसरा वनडे शुरू होने से पहले ही केएल राहुल फैंस के गुस्से का शिकार हो गए थे। इसका बड़ा कारण बने थे दीपक चाहर जिन्होंने पहले वनडे में शानदार गेंदबाजी कर जिम्बाबे को कम स्कोर पर रोकने में टीम इंडिया की मदद की थी। दीपक चाहर को दूसरे वनडे के लिए प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया जिसके चलते फैंस उनसे निराश दिखे। ट्विटर यूजर ने लिखा, केएल राहुल अजीबो-गरीब चीजें कर रहा है। गेंदबाजी करने का विकल्प चुना और दीपक चाहर को छोड़ दिया जिन्होंने चोट के बाद 1 मैच खेला है। कैसा बेहूदा फैसला। अन्य फैंस ने भी दीपक को प्लेइंग-11 में जगह न देने पर राहुल की निंदा की। मैच की बात की जाए तो एक बार फिर से भारतीय गेंदबाजों ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए जिमबाब्वे को महज 161 रन पर रोक दिया। टीम इंडिया के लिए शार्दुल ठाकुर ने 38 रन देकर 3 विकेट लिए। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और दीपक हुड्डा ने 1-1 विकेट लिया।

कोविड महामारी के कारण लोगों का फिटनेस पर ध्यान कई गुना बढ़ा : सचिन तेंदुलकर

मुंबई ।(एजेंसी)

सचिन तेंदुलकर रविवार को मुंबई हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे जो कोविड-19 के कारण ब्रेक के बाद वापसी करेगी। इसमें 13 हजार 500 से अधिक धावक भाग लेंगे। धावक तीन अलग-अलग श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा पेश करेंगे। इसमें चार हजार से अधिक धावक 21के (किमी) वर्ग में चुनौती पेश करेंगे। सात हजार धावक 10के और ढाई हजार धावक 5के वर्ग में हिस्सा लेंगे। हाफ मैराथन और 10 हजार मीटर की दौड़ के विजेताओं को सम्मानित करने वाले तेंदुलकर ने कहा- 'व्यायाम के रूप में दौड़ने के कई फायदे हैं, यह आपको शारीरिक और मानसिक फिटनेस दोनों देते हैं। उन्होंने कहा- जब से महामारी शुरू हुई है तब से फिटनेस पर ध्यान कई गुना बढ़ गया है और लोगों ने सक्रिय और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को महसूस किया है। हाफ मैराथन बीकेसी के जियो गार्डन से शुरू और समाप्त होगी। हाफ-मैराथन (21के) सुबह पांच बजकर 15 मिनट पर, 10के दौड़ सुबह छह बजकर 20 मिनट पर और 5के दौड़ सुबह आठ बजे शुरू होगी। इसमें भारतीय नौसेना के दो हजार से अधिक धावक भी भाग लेंगे। हाफ मैराथन में सबसे उम्रदराज पुरुष प्रतिभागी 82 साल का होगा जबकि सबसे उम्रदराज महिला 72 साल की होगी। सबसे कम उम्र की धावक सात साल की लड़की और आठ साल का लड़का होगा जो दोनों 5के वर्ग में चुनौती पेश करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

आर प्रज्ञानानंदा का विजयी अभियान थमा, चीनी ग्रैंडमास्टर ने किया पराजित

मियामी । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा का विजय अभियान रथ अंततः थम गया। शुक्रवार को यहां पांचवें दौर में चीन के क्युआंग लिएम ली के खिलाफ पराजय का सामना करना पड़ा जिससे चैंपियन्स शतरंज टूर के अमेरिकी फिनाले टूर्नामेंट एफटीएक्स क्रिप्टो कप में उनका विजयी अभियान रुक गया। लिएम ली ने एकतरफा मुकाबले में भारतीय ग्रैंडमास्टर को 2-5 और 0-5 से हराया। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही जिसके बाद लिएम ली ने अगली दोनों बाजी जीत ली। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को भी पोलैंड के यान क्रिस्टोफ डुडा के खिलाफ टाईब्रेकर में 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच चार बाजियों का मुकाबला 2-2 से बराबर रहा था। नॉर्वे के दिग्गज कार्लसन ने पांचवें दौर के बाद 13 मैच अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। वह प्रज्ञानानंदा से एक अंक आगे हैं। भारत के 17 साल के प्रज्ञानानंदा ने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करते हुए शुरुआती चार दौर में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा, अनीष गिरी, लेवोन अरोनियन और हेन्स नीमैन को हराया था लेकिन चीन के ग्रैंडमास्टर ने उनका विजयी अभियान रोक दिया। दिन के अन्य मुकाबलों में फिरोजा ने नीमैन को 2-5 और 0-5 से हराया। उनके 11 मैच अंक हो गए हैं। नीदरलैंड के गिरी ने अरोनियन को 2-5 और 0-5 से शिकस्त दी और वह सात अंक के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

दीपक चाहर को दूसरे वनडे से बाहर करने पर प्रशंसकों ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली । क्रिकेटर दीपक चाहर को जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया है। इस मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया है। उनकी जगह शार्दुल ठाकुर को मौका दिया गया है। हालांकि टीम मैनेजमेंट के इस फैसले से फैंस खुश नहीं हैं। सीरीज के पहले मुकाबले में चाहर ने शानदार गेंदबाजी की थी और 27 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया था। वह लगभग 6 महीने बाद कोई अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला खेलने उतरे थे। चोट के कारण वे आईपीएल 2022 में भी नहीं खेल सके थे। इस कारण चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। टीम ने उन्हें 14 करोड़ रुपए में खरीदा था। भारतीय टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ 3 मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। टीम यदि आज का मैच जीत लेती है। तो सीरीज पर कब्जा कर लेगी। मैच में टीम इंडिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया है। एक फैंस ने ट्वीट किया, देख रहा है न दीपक, कैसे तुझे आउट ऑफ सीन किया जा रहा है। एक अन्य यूजर ने लिखा आखिरी दीपक चाहर मैच क्यों नहीं खेल रहे हैं। उन्हें एशिया कप के लिए रिजर्व के तौर पर रखा गया है। एक अन्य ने लिखा, दीपक चाहर को बिना चोटिल हुए कैसे आराम दिया जा सकता है। उन्हें एशिया कप से पहले प्रैक्टिस मैच की जरूरत है। टीम इंडिया के गेंदबाज इस समय चोटिल चल रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण टी20 एशिया कप से बाहर हो चुके हैं। उनके अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने पर भी संशय है।

ग्रीम स्मिथ बोले- विराट कोहली की वजह से विश्व ने टेस्ट क्रिकेट को गंभीरता से लिया

लंदन ।(एजेंसी)

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ का कहना है कि भारत ने पूर्व कप्तान विराट कोहली के नेतृत्व में टेस्ट क्रिकेट के विकास में अहम भूमिका निभाई है। उनका साथ ही मानना है कि आने वाले वर्षों में केवल पांच या छह देश खेल के सबसे लंबे प्रारूप को खेल सकते हैं। स्मिथ का मानना है कि कुछ ही देश इस समय टेस्ट क्रिकेट के विकास में योगदान दे रहे हैं। स्मिथ ने कहा- सिर्फ प्रतिष्ठित देश या बड़े क्रिकेट देश इस समय टेस्ट क्रिकेट में योगदान दे रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान 41 वर्षीय स्मिथ को लगता है कि कोहली के नेतृत्व भारत ने 'वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को गंभीरता से लिया। कोहली खेल के सबसे लंबे प्रारूप के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कई यादगार टेस्ट जीत के साथ भारत को पहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचाया। स्मिथ ने कहा कि मुझे लगता है कि यह शानदार है कि विराट कोहली के नेतृत्व में भारत ने वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को गंभीरता से लिया। लेकिन आपके पास 10, 11, 12, 13 या 14 प्रतिस्पर्धी टीमें नहीं होंगी। आपको इस स्तर पर शायद केवल पांच या छह देश टेस्ट क्रिकेट खेलते हुए दिखें। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की नई टी20 लीग में सभी छह टीम को इंडियन प्रीमियर लीग के मालिकों ने खरीदा है और हाल में लीग के आयुक्त नियुक्त किए गए स्मिथ ने इस निवेश का स्वागत किया जिसकी उन्हें लगता है कि देश के क्रिकेट बोर्ड को 'सख्त जरूरत है। स्मिथ ने कहा- यह निश्चित रूप से हमारे खेल में एक ऐसा निवेश है जिसकी दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को सख्त जरूरत है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड, वेस्ट इंडीज, दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों पर दबाव है कि वे इंग्लैंड, भारत के साथ वित्तीय रूप से व्यावहारिक बने रहें और वैश्विक खेल का प्रतिस्पर्धी बने रहना बेहद महत्वपूर्ण है। टी20 लीग के पहले टूर्नामेंट के लिए अपने सभी खिलाडियों को उपलब्ध कराने के लिए क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने आस्ट्रेलिया में तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला नहीं खेलने का फैसला किया है।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान रहे समर 'बद्रू' नहीं रहे, देश में शोक की लहर

-टीम को ओलंपिक पदक के नजदीक पहुंचाने का श्रेय

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान रहे समर 'बद्रू' नहीं रहे, उनके निधन की खबर से खेल प्रेमियों सहित देश में शोक की लहर दौड़ गई। मेलबर्न 1956 ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने के दौरान भारतीय फुटबॉल की टीम अगुआई करने वाले पूर्व कप्तान समर 'बद्रू' बनर्जी का लंबी बीमारी के बाद शनिवार तड़के यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। बनर्जी के परिवार में उनकी बहू हैं। 'बद्रू दा' के नाम से मशहूर बनर्जी अल्जाइमर, एजोटेमिया और उच्च रक्तचाप से संबंधित बीमारियों से पीड़ित थे। उन्हें कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद 27 जुलाई को एमआर बांगर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनकी अगुआई में टीम ने 1956 ओलंपिक में शानदार खेल दिखाया था। मोहन बागान के सचिव देबाशीष दत्ता ने बताया, 'उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें राज्य के खेल मंत्री अरूप विश्वास की देखरेख में सरकारी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने तड़के करीब दो बजकर 10 मिनट पर अंतिम सांस ली।' उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि वह हमारे प्रिय 'बद्रू दा' थे और हमने उन्हें 2009 में मोहन बागान रत्न से नवाजा था। यह हमारे लिए एक और बड़ी क्षति है। उनके पार्थिव शरीर को क्लब में लाया गया जहां सदस्यों और प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। भारतीय फुटबॉल टीम ने अब तक 3 ओलंपिक में भाग लिया है और बनर्जी के नेतृत्व वाली 1956 की टीम ने इन खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। तब भारतीय टीम ब्रॉन्ज मेडल के प्लेऑफ में बुल्गारिया से 0-3 से हारकर चौथे स्थान पर रही। इस युग को भारतीय फुटबॉल का 'स्वर्ण युग' माना जाता है। पहले दौर में वॉकओवर पाने के बाद सैयद अब्दुल रहीम के मार्गदर्शन में खेल रही टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से हराया। इस टीम में पीके बनर्जी, नेविल डिसूजा और जे 'किट्टू' कृष्णास्वामी भी थे। डिसूजा ने मैच में शानदार हैट्रिक लगाई। टीम अंतिम चार चरण में यूगोस्लाविया से 1-4 से हारकर फाइनल में जगह बनाने में विफल रही। मोहन बागान की अपने पहले डूरंड कप (1953), रोवर्स कप (1955) सहित कई ट्रॉफिया जीतने में मदद करने वाले बनर्जी ने एक खिलाड़ी (1953, 1955) के रूप में दो और कोच (1962) के रूप में एक बार संतोष ट्रॉफी भी जीती।

जेमिमा रोड्रिग्स का हाथ चोटिल, 'द हंड्रेड' से हुई बाहर

बर्मिंघम । टीम इंडिया की महिला क्रिकेटर खिलाड़ी जेमिमा रोड्रिग्स का हाथ चोटिल हो गया है जिसके कारण वे 'द हंड्रेड' में केवल 2 मैच खेलने के बाद बाकी टूर्नामेंट से बाहर हो गई। जेमिमा नॉर्दन सुपरचार्जर्स टीम का हिस्सा थी। इस भारतीय बल्लेबाज की जगह आयरलैंड की गैबी लुईस को टीम में रखा गया है। जेमिमा ने सुपरचार्जर्स के पहले मैच में ओवल इनविंसिबल्स के खिलाफ 32 गेंदों में 51 रन की धांसू पारी खेली लेकिन उनकी टीम यह मैच हार गई। इसके बाद उन्होंने लंदन स्प्रिट के खिलाफ दो रन बनाए। उनकी टीम ने यह मैच पांच रन से जीता। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा रही जेमिमा इस प्रतियोगिता के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में चोटिल हो गई थी। जेमिमा ने राष्ट्रमंडल खेलों में 146 रन बनाए थे। वह सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में पांचवें नंबर पर थी।

लकड़ा, प्रधान मेरी प्रेरणा हैं : सलीमा टेटे

नई दिल्ली।(एजेंसी)

भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा खिलाड़ी सलीमा टेटे ने खुलासा किया है कि टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा और निक्की प्रधान ने उनके करियर में मार्गदर्शक की भूमिका निभाई है। झारखंड की रहने वाली सलीमा ने बताया कि उन्हीं के राज्य से आने वाली असुंता और निक्की को देखकर उन्हें भी हॉकी में नई ऊंचाइयां हासिल करने की प्रेरणा मिली। सलीमा ने कहा- मैंने जूनियर राष्ट्रीय टीम से हॉकी में प्रवेश किया, और असुंता लकड़ा मेरी प्रेरणा थीं। मैं उनके जैसी बनना चाहती थी। जब मैंने उन्हें खेलते हुए देखा तो मुझे महसूस हुआ कि यदि यह कर सकती हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। निक्की प्रधान भी मेरे विकास में महत्वपूर्ण रही हैं। उन्होंने मुझे हमेशा पर्याप्त समय दिया है। सलीमा ने कहा- मेरा परिवार भी बेहद सहयोगी रहा है। वे परेशानियों के बारे में नहीं सोचते। उनका यही मानना है कि अगर हम अपने आप को सर्वश्रेष्ठ बनाना चाहते हैं, तो हमें हर परेशानी के बावजूद अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए। यूरोपीय दौरे पर लंबा समय बिताने के बाद भारत वापस आईं सलीमा ने कहा कि बर्मिंघम 2022 खेलों से पहले टीम का ध्यान सिर्फ इस बात पर था कि उन्हें 'कुछ न कुछ करना है। सलीमा ने कहा कि एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप स्पेन और नीदरलैंड 2022 में जब हमारा समय खराब गया तो टीम का लक्ष्य साफ था। हम बर्मिंघम 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे। हमारे पास कोई और विकल्प नहीं था। हमें भारत वापस लौटने से पहले एक पदक जीतना था। हमारी सोच यही थी कि कुछ न कुछ करना ही है। सलीमा के करियर का अब तक का सबसे बड़ा पल टोक्यो ओलिम्पिक रहा है, जहां भारत चौथे स्थान पर रहा था। सलीमा का कहना है कि टोक्यो ओलिम्पिक के बाद से उनके गांव की तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित हुआ है, जिससे क्षेत्र की हालत सुधरी है। सलीमा ने कहा- टोक्यो ओलिम्पिक से पहले किसी को भी हमारे गांव के बारे में नहीं पता था और जब मैं वापस आई तो मेरे गांव की तरफ ध्यान काफी बढ़

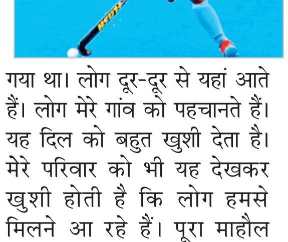

गया था। लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। लोग मेरे गांव को पहचानते हैं। यह दिल को बहुत खुशी देता है। मेरे परिवार को भी यह देखकर खुशी होती है कि लोग हमसे मिलने आ रहे हैं। पूरा माहौल बदल गया है जिससे मुझे बहुत खुशी है।

श्रीलंका ने घोषित की अपनी 20 सदस्यीय टीम, दासुन शनाका को सौंपी गई टीम की कमान

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

एशिया कप 2022 का आगाज हो गया है। 20 अगस्त से 24 अगस्त के बीच होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में चार टीमों के बीच क्वालिफायर्स के मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 27 अगस्त से यूएई में मेन राउंड के मुकाबले शुरू होंगे। मेन राउंड के पहले मुकाबले में श्रीलंका की भिड़ंत अफगानिस्तान के साथ होगी। दोनों टीमें इस रोमांचक मुकाबले के लिए दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में आमने-सामने होंगी।

प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले श्रीलंकाई टीम ने अपनी 20 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। आगामी टूर्नामेंट के लिए दासुन शनाका को टीम का कप्तान बनाया गया है।

बता दें एशिया कप के खिताब पर भारत ने सर्वाधिक सात बार कब्जा जमाया है। उसके बाद इस खिताब को सर्वाधिक अपने नाम करने का रिकॉर्ड श्रीलंकाई टीम के ही नाम दर्ज है। श्रीलंका इस प्रतिष्ठित खिताब को पांच बार अपने नाम किया है।

एशिया कप 2022 के लिए श्रीलंकाई टीम :

दासुन शनाका (कप्तान), धनुषका गुणथिलका, पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, चरित असलंका, बानुका राजपक्षे, आशेन बंडारा, धनंजया डी सिल्वा, वनिंदु हसरंगा, महेश थीक्षाना, जेफरी वांडरसे, प्रवीण जयविक्रेमा, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, चामिका फर्नांडो, मदुशंका, मथीशा पथिराना, दिनेश चांदीमल, नुवानिंदु फर्नांडो और कसुन रजिता।

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायू को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईव़ी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायू को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

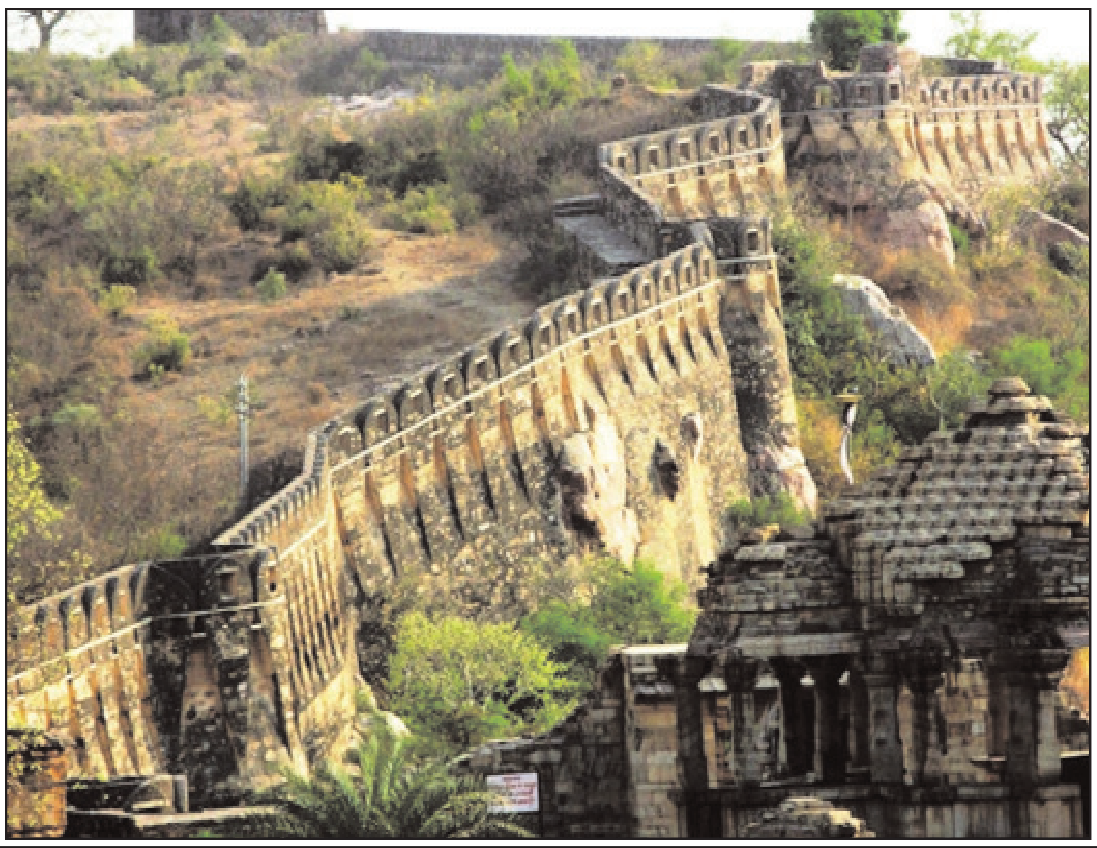

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया।

पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

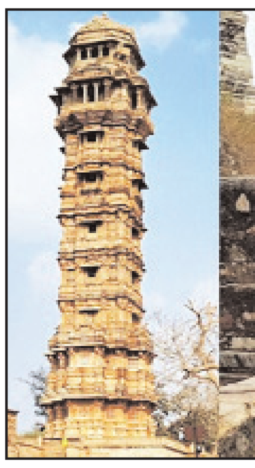

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे व प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

गहरी नींद में सो गए दोनों पायलट, विमान को लैंड कराना गए भूल, फिर हुआ कुछ ऐसा...

पायलट की बड़ी लापरवाही का एक मामला सामने आया है जहां सूडान से इथियोपिया के लिए उड़ान के दौरान दो पायलट सो गए जिसके कारण विमान की लैंडिंग हो नहीं पाई। कमर्शियल एविएशन न्यूज साइट एविएशन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, इथोपियन एयरलाइंस बोइंग 737-800 खार्तूम से अदीस अबाबा जा रही थी तभी ये घटना हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान ऑटोपायलट पर 37,000 फीट की ऊंचाईपर उड़ रहा था। 15 अगस्त को विमान निर्धारित समय पर अदीस अबाबा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड होनी थी लेकिन ऑटोपायलट पर विमान होने के कारण विमान सही समय पर लैंड नहीं हो पाया। जब विमान एयरपोर्ट के करीब पहुंचने लगा तो एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने अलर्ट भेजा लेकिन कई कोशिशों के बावजूद एटीसी पायलटों से संपर्क नहीं कर सका। जब विमान रनवे को क्रॉस करने लगा तो ऑटो पायलट भी डिसेबल हो गया जिसके कारण विमान के अंदर जोर-जोर से अलार्म बजने लगा और इसी में दोनों पायलटों की नींद खुल गई। जैसे ही पायलटों की नींद खुली उन्होंने विमान का कंट्रोल हाथ में लिया और 25 मिनट बाद विमान को फिर से रनवे पर सुरक्षित उतारा गया। बता दें कि दोनों ही पायलट काफी थके हुए थे जिसके कारण ये सबकुछ हुआ।विमानन विश्लेषक एलेक्स मैकेरास ने ट्विटर पर कहा कि यह पायलट की थकावट का परिणाम हो सकता है। उन्होंने गुरुवार को ट्वीट किया, पायलट की थकान कोई नई बात नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हवाई सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण खतरों में से एक है।

ताइवान की सीमा में घुसे 51 चीनी विमान, फिर बढ़ा तनाव, एयर डिफेंस सिस्टम अलर्ट पर

ताइपे। चीन की सेना की पूर्वी थियेटर कमांड ने युद्धाभ्यास के नाम पर ताइवान को चारों चरफ से घेर रखा है। लगाता उकसावे वाली हरकतों की वजह से ताइवान में तमान अपने चरम पर है। ताइवान ने बताा कि 6 चीनी नौसैनिक जहाज और 51 लड़ाकू विमानों ने उसकी सीमा का उल्लंघन किया। इससे पहले 7 अगस्त को ताइवान की सीमा में चीन के 14 युद्धपोत और 66 विमानों के दाखिल होने की वजह से हालात तनावपूर्ण हो गए थे। ताइवान ने फिर से चीन पर अपनी सीमा में घुसपैठ का आरोप लगाया है। ताइवान के अधिकारियों ने दावा किया कि 51 चीनी लड़ाकू विमानों, 6 जंगी जहाजों और 25 वमवर्षक विमानों ने पूर्व में हमारी सीमा में घुसपैठ की। इनमें से 25 विमानों ने हमारे इलाके के ऊपर से उड़ान भरी। इनमें सुखोई, शेनयांग जे 16, चेंगदू जे-10, जियान एच-6 और शानक्सी 4-8 विमान शामिल थे। जवाबी कार्रवाई में ताइवान के भी लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरीं। साथ ही ताइवान के नौसैनिक युद्धपोत और एयर डिफेंस सिस्टम को अलर्ट पर रखा गया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि हम अपने समुद्री और हवाई इलाके के आसपास चीन के लगातार उकसावे की कार्रवाई की कड़ी निंदा करते हैं। चीन के ऐसे सैनिक अभियान में हमें जंग की तैयारी का मौका देते हैं।

सीरिया के भीड़भाड़ वाले बाजार में रॉकेट हमला, 3 बच्चों समेत 15 लोगों की मौत

बेरूत। उत्तरी सीरिया में तुर्की समर्थित विद्रोही लड़ाकों के कब्जे वाले एक शहर में भीड़भाड़ वाले बाजार में रॉकेट हमले में 15 लोगों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। युद्ध पर निगरानी करने वाले समूह 'सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स' और अर्द्धचिकित्सक समूह ने यह जानकारी दी। यह हमला शुक्रवार को अल-बाब शहर में तब किया गया, जब तुर्किश लड़ाकों के हवाई हमले में कम से कम 11 सीरियाई सैनिक और अमेरिका समर्थित कुर्दिश लड़ाकों की मौत हो गयी थी। युद्ध निगरानी समूह ने शुक्रवार को हुई बमबारी के लिए सीरियाई सरकार की सेनाओं को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह तुर्की के हवाई हमले का बदला प्रतीत होता है। उसने बताया कि 15 मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। ऑब्जर्वेटरी के प्रमुख रामी अब्दुर्रहमान ने मार्च 2020 में हुए संघर्ष विराम का हवाला देते हुए कहा, ''यह सरकारी सेना और विपक्ष के बीच लड़ाई रुकने के बाद से सरकारी सेना द्वारा किया गया सबसे खराब नरसंहार है।'' अमेरिका समर्थित कुर्दिश लड़ाकों की अगुवाई वाली 'सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज' ने एक बयान में कहा कि उसके लड़ाकों ने अल-बाब पर हमला नहीं किया। सरकार ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एक अन्य घटना में ऑब्जर्वेटरी और अमेरिकी सेना ने बताया कि उत्तरपूर्वी सीरिया में बृहस्पतिवार रात को एक ड्रोन हमले में चार महिलाओं की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गए। उसने इस हमले के लिए तुर्की को जिम्मेदार ठहराया है।

अवैध फंडिंग मामले में गिरफ्तार किए जा सकते हैं पूर्व पीएम इमरान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को देश की शीर्ष जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं होने तथा अवैध फंडिंग के मामले में उसके नोटिस का जवाब नहीं देने के मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने इस संबंध में शुक्रवार को इमरान खान को दूसरा नोटिस जारी किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान को पिछले बुधवार को पहला नोटिस भेजा गया था, लेकिन उन्होंने एफआईए की टीम के समक्ष पेश होने से इनकार कर दिया था। खबर में एफआईए के उच्चस्तरीय अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इमरान खान को गिरफ्तार करने का अंतिम फैसला तीन नोटिस जारी करने के बाद लिया जा सकता है। सूत्रों के हवाले से खबर में कहा गया है कि एफआईए ने पूर्व प्रधानमंत्री की पार्टी से संबंधित पांच कंपनियों का पता लगाया है जो अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, ब्रिटेन और बेल्जियम में काम कर रही है । पाकिस्तान के चुनाव आयोग को सौंपी गई रिपोर्ट में इन कंपनियों का उल्लेख नहीं किया गया है। गौरतलब है कि इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने कहा था कि इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को भारतीय मूल के एक व्यवसायी सहित 34 विदेशी नागरिकों से नियमों के खिलाफ धन राशि प्राप्त हुई है।

हथियार डिपो में आग के बाद दो रूसी गांव खाली कराए गए

कीव। यूक्रेन की उत्तर-पूर्वी सीमा से सटे बेलगोरोद क्षेत्र के तिमोनोवो गांव के पास स्थित एक हथियार डिपो में आग लगने के बाद वहां के दो गांवों को खाली करा लिया गया है। बेलगोरोद के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लादकोव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हथियार डिपो में आग बृहस्पतिवार देर रात लगी और इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। ग्लादकोव के मुताबिक, यूक्रेनी सीमा से 15 मील की दूरी पर स्थित तिमोनोवो और सोलोती गांव में लगभग 1,100 लोग रहते हैं, जिन्हें सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

इससे पहले, रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर एक हथियार डिपो में आग लगने से उसमें विस्फोट हो गया था। पिछले सप्ताह क्रीमिया में एक वायुसैनिक अड्डे पर हुए हमले में रूस के नौ लड़ाकू विमानों के नष्ट होने की खबर सामने आई थी। हालांकि, यूक्रेनी प्राधिकारी सार्वजनिक तौर पर इन हमलों की जिम्मेदारी लेने से बचते आए हैं। लेकिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने क्रीमिया में धमाके के बाद दुश्मन देश में यूक्रेनी हमलों की तरफ इशारा किया। रूस ने भी इन हमलों के लिए कीव को दोषी ठहराया है। रूस के उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने शुक्रवार को टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणी में कहा कि क्रीमिया में मौजूद प्रतिष्ठानों पर हमले के बारे में यूक्रेनी अधिकारियों के बयान ''अमेरिका और उसके नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) सहयोगियों द्वारा उकसाए गए संघर्ष में वृद्धि को चिह्नित करते हैं।'' उन्होंने कहा कि रूसी अधिकारियों ने बाइडन प्रशासन के उच्च पदस्थ सदस्यों के साथ फोन पर हुई बातचीत में अमेरिका को ऐसे कदमों के खिलाफ आगाह किया था। मॉस्को ने स्पष्ट किया था कि यूक्रेन युद्ध में ''अमेरिका की खुली एवं गहरी भागीदारी'' अमेरिका को 'प्रभावी रूप से एक पक्ष बनने के कगार पर खड़ा करती है।''

रयाबकोव ने कहा, हम तनाव में वृद्धि नहीं चाहते हैं। हम ऐसी स्थिति से बचना चाहते हैं जहां अमेरिका संघर्ष का पक्ष बन जाए, लेकिन अभी तक हमने इन चेतावनियों पर गहराई से और गंभीरता से विचार करने के लिए उसकी तत्परता नहीं देखी है। इस बीच, कीव और मॉस्को ने एक-दूसरे पर यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर गोलाबारी करने का आरोप लगाना जारी रखा, जिससे महाद्वीप पर तबाही की आशंकाओं को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं बढ़ गई हैं। रूस की सुरक्षा परिषद के सचिव निकोलई पेत्रुशेव ने शुक्रवार को अमेरिका पर दक्षिणी यूक्रेन स्थित जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर यूक्रेनी हमलों को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया। 24 फरवरी को यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान की शुरुआत के कुछ दिनों बाद से ही इस संयंत्र पर रूस का नियंत्रण हो गया था।

नेपाल के ललितपुर में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के दौरान भगवान कृष्ण के रूप में तैयार एक बच्चा मटकी से दही खाता हुआ।

पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत आएंगे अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी

वाशिंगटन। यूक्रेन-रूस युद्ध के बीच अमेरिका के एक शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आएंगे। फरवरी के अंत में शुरू हुए युद्ध पर भारत के तटस्थ रुख के मद्देनजर अमेरिका बैठकों के दौरान दक्षिण एशियाई राष्ट्र के साथ संबंधों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। वित्त विभाग के उपसचिव वैली अडेमो अपनी यात्रा के दौरान मुंबई और नयी दिल्ली का दौरा करेंगे, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय, वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ बैठकें हो सकती हैं। विभाग ने कहा कि अडेमो ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विश्व स्तर पर खाद्य असुरक्षा से निपटने और अवैध वित्तीय लेन-देन का मुकाबला करने जैसी प्रमुख साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे।

एशियाई सदी के बारे में जयशंकर के बयान का चीन ने किया समर्थन

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन ने शुक्रवार को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर के इस बयान से सहमति जताई कि अगर दोनों पड़ोसी देश हाथ नहीं मिलाते हैं तो ''एशियाई सदी'' संभव नहीं हो सकती है। चीन ने जोर देते हुए यह भी कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच ''मतभेदों से कहीं अधिक साझा हित हैं।'' जयशंकर ने बैंकॉक में प्रतिष्ठित चुलालांगकोर्न विश्वविद्यालय में 'हिंद-प्रशांत का भारतीय दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान देने के बाद प्रश्नों का उत्तर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि एशियाई सदी तब होगी जब चीन और भारत साथ आएंगे। उन्होंने कहा था कि यदि भारत और चीन साथ नहीं आ सके तो एशियाई सदी मुश्किल होगी।

विदेश मंत्री ने कहा था, ''चीन ने सीमा पर जो किया है, उसके बाद इस समय (भारत-चीन) संबंध अत्यंत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।'' दोनों देशों के बीच पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से गतिरोध बरकरार है। पैंगोंग झील क्षेत्र में पांच मई 2020 को हुई हिंसक झड़प के बाद से दोनों देशों के बीच कोर कमांडर स्तर की 16

दौर की बात हो चुकी है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता महत्वपूर्ण है।

जयशंकर की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया के लिए आग्रह किये जाने पर, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि चीन और भारत का विकास नहीं होता है तो एक एशियाई सदी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, ''चीन और भारत दो प्राचीन सभ्यताएं, दो उभरती अर्थव्यवस्थाएं और दो बड़े पड़ोसी देश हैं।'' वांग ने कहा कि चीन और भारत के बीच मतभेदों की तुलना में कहीं अधिक समान हित हैं और दोनों पड़ोसियों के लिए यह बेहतर है कि वे एक-दूसरे के लिए खतरा पैदा करने के बजाय एक-दूसरे को मजबूत करने के प्रयास करें।

यह पूछे जाने पर कि क्या चीन पूर्वी लद्दाख में टकराव वाले बिंदुओं पर भारत के साथ बातचीत करेगा, वांग ने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि चीन और भारत सीमा मुद्दों पर बातचीत जारी रखें। बातचीत प्रभावी ढंग से जारी है।'' जयशंकर ने चीन की आपत्ति के परोक्ष संदर्भ में कहा था कि क्वाड से पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र को फायदा होगा और चार देशों के समूह की गतिविधियों को लेकर किसी भी तरह की आपत्ति एक तरह से ''सामूहिक और सहयोगात्मक प्रयासों का एकतरफा विरोध'' है।

जयशंकर के इस बयान के बारे में पूछे जाने पर वांग ने भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के चार देशों के समूह को लेकर चीन की आपत्ति को दोहराया। वांग ने कहा, ''क्वाड पर चीन की स्थिति स्पष्ट है। मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि शांति, सहयोग और खुलेपन की दुनिया में, यदि कोई छोटे समूह बनाने की कोशिश करता है, तो उसका कोई समर्थन नहीं किया जाएगा।

सात प्राचीन कलाकृतियों को स्कॉटलैंड भारत वापस भेजेगा, इसमें हिंद-फारसी तलवार भी शामिल

लंदन (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश में एक मंदिर से चुराए पत्थर के दरवाजे की चौखट सहित सात प्राचीन कलाकृतियों को स्कॉटलैंड के ग्लासगो के संग्रहालय द्वारा भारत वापस भेजा जाएगा। शहर के संग्रहालयों को संचालित करने वाला धर्मार्थ संगठन 'ग्लासगो लाइफ' ने इस साल की शुरुआत में कलाकृतियों को सौंपे जाने की पुष्टि की थी। इसी कड़ी में ब्रिटेन में कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त सुजीत घोष की उपस्थिति में 'केल्विनग्रोव आर्ट गैलरी एंड म्यूजियम में इन्हें औपचारिक रूप से सौंपने के लिए कार्यक्रम आयोजित होगा। सात प्राचीन अवशेषों को अब भारत वापस भेजने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इनमें एक हिंद-फारसी तलवार भी शामिल है, जिसे 14वीं शताब्दी का माना जाता है और 11वीं शताब्दी में कानपुर के एक मंदिर के पत्थर का नक्काशीदार दरवाजा भी शामिल है। घोष ने कहा, ''हमें खुशी है कि ग्लासगो लाइफ के साथ हमारी साझेदारी के परिणामस्वरूप ग्लासगो संग्रहालयों से भारतीय कलाकृतियों को भारत भेजने का निर्णय लिया गया है।''घोष ने कहा, ये कलाकृतियां हमारी सभ्यतागत विरासत का अभिन्न अंग हैं, इन्हें अब घर वापस भेजा जाएगा। हम विशेष रूप से ग्लासगो लाइफ और ग्लासगो सिटी काउंसिल सहित उन सभी हितधारकों की सराहना करते हैं जिन्होंने इस संभव किया। 'ग्लासगो लाइफ' के अनुसार 19वीं शताब्दी के दौरान उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों में मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों से इन्हें लाया गया था, जबकि एक कलाकृति की चोरी हुई थी, जिसे बाद में खरीदा गया था। सभी सात कलाकृतियों को ग्लासगो के संग्रह में उपहार में दिया गया था। ग्लासगो लाइफ, संग्रहालय और संग्रह के प्रमुख डंकन डोर्नन ने कहा, भारत की प्राचीन वस्तुओं के स्वामित्व का हस्तांतरण ग्लासगो के लिए एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतीक है।''

सोमालिया के होटल हयात को अल-शबाब के लड़ाकों ने बनाया निशाना, आतंकी हमले में 8 की मौत, मुठभेड़ जारी

मोगादिशु (सोमालिया) (एजेंसी)।

सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में दो कार बम विस्फोटों और गोलीबारी के बाद अज्ञात हथियारबंद हमलावरों ने एक होटल पर कब्जा कर लिया है। पुलिस और खुफिया अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया, ÷दो कार बमों ने होटल हयात को निशाना बनाया। एक होटल के पास एक बैरियर से टकराया और दूसरा होटल के गेट से टकराया। हमारा मानना है कि लड़ाके होटल के अंदर हैं। दो खुफिया अधिकारियों ने नाम न छापने की शर्त पर भी घटना की पुष्टि की। मोगादिशु की आमीन एम्बुलेंस सेवाओं के निदेशक और संस्थापक अब्दिकादिर अब्दिरहमान ने रॉयटर्स को बताया कि वे अब तक नौ घायल लोगों को होटल से दूर ले गए हैं। इस घटना में अबतक आठ लोगों की मौत की खबरें आ रही हैं। अभी भी आतंकी होटल के अंदर बताए जा रहे हैं। रॉयटर्स को एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि होटल की ओर से गोलियों की आवाज सुनाई दी। अल-शबाब आतंकवादी समूह के लड़ाकों ने सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में एक होटल पर हमला किया। उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग की। आठ लोगों की मौत की सूचना मिली थी। होटल के अंदर धमाकों की आवाज भी सुनी गई। हमले में नौ लोगों के घायल होने की खबर है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। हयात होटल में अभी भी आतंकी छिपे हुए हैं। सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भीषण मुठभेड़ जारी है। अल-शबाब के आतंकवादियों ने मोगादिशु में हयात होटल को निशाना बनाया क्योंकि सांसद और सरकारी अधिकारी अक्सर इस स्थल पर आते हैं। विशेष रूप से, अल-शबाब, अल-कायदा से जुड़ा आतंकवादी समूह, पिछले 10 वर्षों से सोमाली सरकार को गिराने की कोशिश कर रहा है। होटल की इमारत से धुआं निकलता देखा गया। इस साल मई में राष्ट्रपति हसन शेख मोहम्मद के पदभार संभालने के बाद से सोमाली में यह पहला बड़ा हमला था।

वन मैन शो वाले चीन में अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं जिनपिंग विरोधी हू चुनहुआ

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन इस वक्त कोरोना के रफ्तार और इससे प्रभावित होते अर्थव्यवस्था की दोहरी मार झेल रहा है। न के लगातार बिगड़ते हालात ने वहां की राजनीति को भी प्रभावित किया है। एक दलीय शासन व्यवस्था की वजह से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही चीन के नए राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री का चुनाव करने वाला है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की तरफ से बीजिंग के पास बीदायहे में बैठक हुई। इस बैठक के खत्म होने के बाद कुछ खास संकेत उभरकर सामने आए है। वहीं सबकी निगाहें आगामी कांग्रेस सम्मेलन पर भी टिकी हुई है।

चीन की बैठकों में एक नाम जो सभी की नजरों में आया वो चीन के उप प्रधानमंत्री हू चुनहुआ का है। कहा जा रहा है कि वो चीन के अगले प्रधानमंत्री बन सकते हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि वो पद पर नहीं रहेंगे। हू चुनहुआ के बारे में कहा जाता है कि वो शी जिनपिंग के खेमे के नहीं हैं। अगर उन्हें प्रधानमंत्री चुना जाता है तो इसे शी जिनपिंग के लिए एक झटका समझा जाएगा। जिनपिंग की तरफ से अपने तीसरे कार्यकाल को सुरक्षित करने के लिए और सत्ता

को मजबूत करने के लिए नवंबर 2022 में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की 20वीं पार्टी कांग्रेस की तारीख निर्धारित की गई है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस प्रमुख सम्मेलन का आयोजन किया। हू चुनहुआ को चीन के पूर्व राष्ट्रपति हू जिंताओ का खास माना जाता है। चुनहुआ सार्वजनिक तौर पर बहुत कम ही बोलते हैं। यह तब हुआ जब चीनी राष्ट्रपति ने जिंझोउ शहर, लिओनिंग प्रांत का दौरा किया। इसके अलावा, चीनी प्रधानमंत्री ली केकियांग ने भी ग्वांगडोंग प्रांत में एक बैठक में भाग लिया। चीन के दोनों शीर्ष नेता बीजिंग के पास समुद्र के किनारे बसे उसी रिसोर्ट से लौटे हैं, जहां हर साल शीर्ष अधिकारी और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के सेवानिवृत्त बुजुर्ग महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करने के लिए अनौपचारिक रूप से मिलते हैं।

हू चुनहुआ शी जिनपिंग के दरकिनार किए गए गुट के सदस्य हैं। उन्हें हू जिंताओ गुट का नेता माना जाता है। हू, वर्तमान में चार उपाध्यक्षों में से एक और 25 सदस्यीय पोलित ब्यूरो का हिस्सा है। उनकी चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के भीतर एक कुशल, व्यावहारिक प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठा है। उन्होंने लंबे समय तक कम्युनिस्ट यूथ लीग का नेतृत्व किया है।

भारत की ओर पाकिस्तान ने बढ़ाया दोस्ती का हाथ, कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहते हैं शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान कभी एक ही मुल्क हुआ करते थे लेकिन आजादी की कीमत इन दोनों मुल्कों के बटवारे पर जाकर खत्म हुई। दोनों मुल्कों का बटवारा तो हो गया लेकिन नासूर बन गया कश्मीर। कश्मीर को लेकर अब तक दोनों देशों के बीच तीन बड़े युद्ध हो चुके हैं। कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान की सियासत चल रही हैं और कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान में आतंकवाद जड़ जमाए हुए हैं। इस मुद्दे को शांतिपूर्ण सुलझाने में पाकिस्तान ने कभी दिलचस्पी नहीं दिखाई हैं क्योंकि पाकिस्तान में असल मुद्दा वहां की भूख से मरती आवाम का नहीं बल्कि आतंकियों की गुड लिस्ट में बने रहकर कश्मीर के जरिए भारत के खिलाफ साजिशें रचते रहने का है।

पुरानी रंजिशे भुलाते हुए जब भारत में 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनीं तो उन्होंने पाकिस्तान से सबकुछ भूल कर दोस्ती करने के लिए कहा और कश्मीर पर शांतिपूर्वक बात करने की बात कही लेकिन पाकिस्तान ने बदले में हमें उरी हमला दिया, पुलवामा अटैक दिया। तब से भारत का भी रूख पाकिस्तान की ओर सख्त हैं। अब इमरान खान की सरकार को गिराकर पाकिस्तान में नयी सरकार बनीं हैं। नयी सरकार की ओर से बयान जारी करके भारत को संदेश भेजा गया है कि पाकिस्तान शांतिपूर्वक कश्मीर मुद्दे का समाधान चाहता हैं।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ''समानता, न्याय और आपसी सम्मान'' के सिद्धांतों और कश्मीर मुद्दे के समाधान के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की इच्छा व्यक्त की है। मीडिया की एक खबर में शुक्रवार को यह कहा गया। पाकिस्तान प्रायोजित सीमा पार से आतंकवाद और कश्मीर मुद्दे को लेकर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव के बीच शरीफ ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ''सहायक भूमिका'' निभाने का भी आग्रह किया।

'डॉन' अखबार ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के हवाले से बताया कि शरीफ ने बृहस्पतिवार को पाकिस्तान में ऑस्ट्रेलिया के नवनियुक्त उच्चायुक्त नील हॉकिन्स के साथ बैठक के दौरान ये विचार व्यक्त किए। शरीफ ने कहा, ''पाकिस्तान समानता, न्याय और आपसी सम्मान के सिद्धांतों के आधार पर भारत के साथ शांतिपूर्ण संबंध चाहता है। इस संदर्भ में, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुसार जम्मू कश्मीर विवाद का एक उचित और शांतिपूर्ण समाधान अपरिहार्य है।''

उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संबंध में एक सहायक भूमिका निभानी होगी, क्योंकि यह दक्षिण एशिया में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है।'' भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में इस्लामाबाद के साथ सामान्य पड़ोसी संबंध चाहता है। भारत ने यह भी कहा है कि आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी पाकिस्तान की है।

अगस्त 2019 में भारत द्वारा जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने की

घोषणा के बाद द्विपक्षीय संबंध और बिगड़ गए। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू कश्मीर ''हमेशा से भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा बना रहेगा।'' भारत ने पाकिस्तान को वास्तविकता को स्वीकार करने और भारत विरोधी दुष्प्रचार रोकने की भी नसीहत दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पापा आप हर पल मेरे साथ मेरे दिल में हैं

राहुल ने पूर्व पीएम राजीव गांधी को किया याद

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने 'वीर भूमि' जाकर पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। इस मौके पर प्रियंका के पति रॉबर्ट वाद्रा भी मौजूद थे। राहुल ने अपने पिता को याद करते हुए ट्वीट किया, 'पापा, आप हर पल मेरे साथ, मेरे दिल में हैं। मैं हमेशा प्रयास करूंगा कि आपने देश के लिए जो सपना देखा, उसे पूरा कर सकूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे पिता श्री राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत का रोडमैप देश के सामने रखा था। एक ऐसा भारत, जिसमें युवाओं की ताकत, गांवों की शक्ति, महिलाओं की क्षमता, नयी प्रौद्योगिकी के प्रयोग को अभिव्यक्ति मिले। वहीं, प्रियंका ने देश के विकास में अपने पिता के योगदान को याद किया। उन्होंने फेसबुक पर जारी पोस्ट में कहा, 'सूचना क्रांति, संचार क्रांति, पंचायती राज, 18 वर्ष में मतदान का अधिकार जैसे कदम इसी अभिव्यक्ति को मजबूती देने के कदम थे। पिताजी का सपना 21वीं सदी में भारत को सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचाने का था। उन्होंने उस सपने को लेकर दिन-रात काम किया और भारत को एक नयी दिशा दी।' प्रियंका ने कहा, 'हमारा रास्ता चुनौतियों से भरा जरूर है। लेकिन, आज राजीव गांधी जी की जयंती पर हम सबको भारत को सबसे ऊंचे पायदान पर ले जाने के सपने को पूरा करने के संकल्प को दोहराना होगा। राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को हुआ था। उन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर 1984 से 1989 तक भारत का नेतृत्व किया। वर्ष 1991 में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान एक

उग्रवादी हमले में उनकी हत्या कर दी गई थी।

(नई दिल्ली) गृहमंत्री शाह ने एम्स पहुंचकर आईटीबीपी के घायल जवानों के स्वास्थ्य की ली जानकारी

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर जाकर भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के घायल जवानों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। ये जवान पिछले दिनों जम्मू कश्मीर में अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी पूरी कर वापस लौटते समय सड़क दुर्घटना में घायल हो गए थे। आईटीबीपी के गंभीर रूप से घायल जवानों- कांस्टेबल बलवंत सिंह, तेस्वांग दोरजे और बबलू कुमार को विशेष उपचार के लिए शुक्रवार को श्रीनगर से एयर एम्बुलेंस से राष्ट्रीय राजधानी के एम्स लाया गया था। आईटीबीपी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा गृह मंत्री को डॉक्टरों द्वारा जवानों की स्वास्थ्य स्थिति और आगामी दिनों में अपनाई जाने वाली चिकित्सा प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। आईटीबीपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उन्हें घायलों की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी दी। गृह मंत्री ने घायल कर्मियों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। शाह जवानों से बातचीत कर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की

राजस्थान- जालोर में दलित छात्र की मौत मामले में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह समेत 5 पर केस दर्ज

जालोर । राजस्थान के जालोर जिले में दलित छात्र की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पुलिस ने गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी टीचर को जेल भेज दिया है। वहीं इस मामले को लेकर राजनीति भी तेज है। इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम व कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के समेत पांच लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया गया है। आरोप है कि दिग्विजय सिंह ने आरोपी शिक्षक को आरएसएस से जोड़ा था। इसको लेकर आरएसएस से जुड़े जालोर निवासी मधुसूदन व्यास ने कोतवाली मे मामला दर्ज करवाया है। उधर, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता ने दिग्विजय सिंह, उदितराज, संदीप सिंह, हंसराज मीणा व गौतम कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा है कि उक्त नेताओं ने स्कूल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का बताया था और इन लोगों ने इस प्रकार का ट्वीट लिखकर हिन्दू समाज के एक वर्ग के लोगों को संघ के विरुद्ध भड़काने का काम किया है। बता दें कि गहलोत सरकार ने दलित छात्र की मौत मामले की परिवार की मांग पर एसआईटी जांच के आदेश दिए हैं। ये जांच देवाराम चौधरी की अध्यक्षता में की जाएगी। वहीं कांग्रेस नेता सचिन पायलट अपनी ही सरकार पर निशाना साधते नजर आए। उन्होंने कहा था कि फिर कोई घटना होगी तब हम एक्शन लेंगे? इस सिस्टम को बदलना होगा। आजादी को 75 साल पूरे हो गए हैं। जिस तरह से जातिगत भेदभाव हो रहा है और यह घटना हुई है, वो कहीं ना कहीं बड़े सवाल खड़े करती है। गौरतलब है कि जालोर में 9 साल के एक बच्चे ने जब स्कूल के मटके को पानी पीने के लिए छुआ, तो उसे स्कूल टीचर ने इतना पीटा कि उसकी कान की नस फट गई। बाद में जब उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया तो इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं स्कूल प्रशासन का दावा है कि किसी भी बच्चे को पानी पीने से नहीं रोका गया था, बल्कि एक झगड़ा हुआ था, जिसके बाद शिक्षक ने हाथ उठाया।

विवादों के बीच तेजस्वी यादव ने खींची लक्ष्मण रेखा

नई दिल्ली ।

बिहार में नीतीश सरकार के नेतृत्व में महागठबंधन की नई सरकार बनने के बाद से ही आरजेडी कोटे के मंत्री विवादों में आ गए हैं। मंत्रियों की छवि सुधारने के लिए डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने लक्ष्मण रेखा खींच दी है। तेजस्वी ने आरजेडी के मंत्रियों से कहा कि कोई भी नई गाड़ी नहीं खरीदेंगे और साथ ही किसी भी कार्यकर्ता को अपने पैर नहीं छूने देंगे। साथ ही उन्हें ईमानदार रहने और शालीन व्यवहार करने की सलाह दी गई है। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने शनिवार को अपनी पार्टी के मंत्रियों के लिए दिशानिर्देश जारी किए। इसमें कहा गया कि आरजेडी कोटे के मंत्री अपने लिए विभाग में नई गाड़ी नहीं खरीदेंगे। साथ ही उम्र में उनसे बड़े कार्यकर्ता, समर्थक या किसी भी शख्स को पांव नहीं छूने देंगे। लोगों से शिष्टाचार भेंट करते वक्त हाथ जोड़कर नमस्ते या आदाब की परंपरा को ही बढ़ावा देंगे। तेजस्वी ने कहा कि सभी मंत्री सौम्य और शालीन व्यवहार अपनाएं। सादगी से पेश आते हुए सभी जाति-धर्म के लोगों की मदद करें। किसी से भी भेंट के रूप में गुलदस्ता या फूल की बजाय किताब-कलम लेने के कल्चर को बढ़ावा दें। आरजेडी मंत्रियों के भ्रष्टाचार समेत अन्य आपराधिक मामलों से विवादों में आने के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सभी को ईमानदारी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सभी मंत्री अपने विभागीय कार्यों में ईमानदारी, पारदर्शिता, तत्परता और तुरंत एक्शन की कार्यशैली को बढ़ावा दें।

साथ ही अपने विभागों की योजनाओं और कार्यों का सोशल मीडिया पर लगातार प्रचार-प्रसार करें। नई सरकार के गठन के बाद से ही नीतीश कैबिनेट में आरजेडी कोटे के मंत्री विवादों में हैं। कानून मंत्री कार्तिकेय सिंह पर अपहरण केस में सरेंडर करने के बजाय राजभवन में जाकर शपथ लेने के आरोप लगे। विपक्ष ने कृषि मंत्री सुधाकर सिंह के चावल गबन के पुराने मामले को मुद्दा बनाया, तो वहीं शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर के एयरपोर्ट पर कारतूस ले जाने के पुराने मामले पर घेरा। हाल ही में सहकारिता मंत्री सुरेंद्र यादव का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वे लाइव प्रेस कॉन्फ्रेंस में गाली देते नजर आ रहे हैं।

मतदाता सूची में नामांकन के लिए विशेष प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं

जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय ने बताया

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर की मतदाता सूची में गैर-स्थानीय मतदाताओं को शामिल करने पर विवाद के बीच प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कश्मीरी प्रवासियों के लिए उनके मूल निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में नामांकन के लिए विशेष प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, कि कश्मीरी प्रवासियों को उनके नामांकन के स्थान पर या पोस्टल बैलेट के माध्यम से या जम्मू, उधमपुर, दिल्ली आदि में विशेष रूप से स्थापित मतदान केंद्रों के माध्यम से मतदान का विकल्प मिलेगा। इसमें स्पष्ट किया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की सरकार में संपत्ति की खरीद और नौकरियों के संबंध में नियमों में कोई बदलाव नहीं हुआ है इसका मतदाताओं के प्रतिनिधित्व या अन्यथा से कोई संबंध नहीं है। आदेश में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदाता सूची का संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाता है। आदेश में कहा गया है, यह व्यवस्था उन युवाओं को सक्षम बनाने के लिए है, जो खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने के योग्य हैं। इसके अलावा,यह उस व्यक्ति को भी अनुमति देता है, जिसने अपने सामान्य निवास स्थान बदल दिया है और पुराने स्थान की मतदाता सूची से अपना नाम हटवाकर नए स्थान पर मतदाता के रूप में नामांकन कराना चाहता है। आदेश में कहा गया हैं कि 2011 में जम्मू-कश्मीर के विशेष सारांश संशोधन वोटर लिस्ट में प्रकाशित मतदाताओं की संख्या 66,00,921 थी और अब यह बढ़कर 76,02,397 हो गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से नए मतदाताओं के कारण है, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु प्राप्त की है। प्रशासन ने उन मीडिया रिपोर्टों का खंडन किया, जिसमें दावा किया था कि मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया शुरू होने के बाद जम्मू-कश्मीर की मतदाता सूची में 25 लाख से अधिक नाम जोड़े जाएंगे। जम्मू-कश्मीर सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है, यह तथ्यों की गलत बयान है, जिसे निहित स्वार्थों के लिए फैलाया जा रहा है।

सिसोदिया का दावा, 2024 का चुनाव पीएम मोदी बनाम केजरीवाल होगा, सरमा ने कहा इससे अच्छी बात क्या होगी

नई दिल्ली ।

सीबीआई द्वारा अपने आवास पर छापेमारी के अगले दिन, दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि 2024 का लोकसभा चुनाव अरविंद केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच की लड़ाई होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सुप्रीमो को डराने के लिए केंद्र हर तरह के हथकंडे इस्तेमाल कर रहा है।सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में नई आबकारी नीति पूरी पारदर्शिता के साथ लागू की गई थी और इसमें कोई घोटाला नहीं हुआ है। सिसोदिया ने कहा, वे (बीजेपी) सीएम केजरीवाल को रोकना चाहते हैं, शिक्षा और स्वास्थ्य पर जिनके काम की दुनियाभर में चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, मैं अपने परिवार को कोई असुविधा नहीं पहुंचाने के लिए सीबीआई अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। वे अच्छे अधिकारी हैं, लेकिन उन्हें छापेमारी करने का ऊपर से आदेश मिलता है।सिसोदिया ने दावा किया कि आप के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है, खासकर पंजाब विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद, क्योंकि भाजपा की चिंता केजरीवाल हैं, जिन्होंने देश के लोगों का प्यार हासिल किया है और एक 'राष्ट्रीय विकल्प' के रूप में उभरे हैं। सिसोदिया द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों को केजरीवाल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच की जंग बताने पर, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया दी है। सरमा ने कहा, 'यह एक अच्छा खेल होगा। कई राज्यों में लोग केजरीवाल को जानते ही नहीं। पीएम मोदी पिछली बार 300 से अधिक सीटों के साथ सत्ता में आए थे, 2024 में 450 सीटों के साथ फिर आ जाएंगे। यदि आपने पीएम मोदी के खिलाफ किसी इसतरह के व्यक्ति को दावेदार बता रहे हैं, जिसका नाम भारत के कई हिस्सों में जाना भी नहीं जाता, तब भाजपा को खुशी ही होगी। दिल्ली के हेल्थकेयर माडल पर कटाक्ष कर सरमा ने कहा, सबसे पहले दिल्ली का मोहल्ला क्लीनिक देश में स्वास्थ्य सेवा का मॉडल नहीं हो सकता। अगर कोई मॉडल हो सकता है, तब लोगों को असम आना चाहिए और देखना चाहिए कि कैसे हर जिले में हम एक मेडिकल कॉलेज को बढ़ावा दे रहे हैं। अगर दिल्ली का मोहल्ला क्लीनिक भारत में स्वास्थ्य सेवा का मॉडल है, तब कोई भी भारत में नहीं आएगा और स्वास्थ्य सेवा को मॉडल के रूप में नहीं देखेगा।

केजरीवाल को रोकने के लिए मेरे घर पर सीबीआई की रेड की गई : सिसोदिया

नई दिल्ली ।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सीबीआई की छापेमारी के बाद नई आबकारी नीति को बेस्ट पॉलिसी करार दिया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी से नीति को लागू किया था। मगर एलजी ने इसमें दखल देकर बदलाव कर दिया। केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधकर उन्होंने कहा कि सीएम केजरीवाल को रोकने के लिए मेरे घर पर छापेमारी हुई। जो अच्छा काम करता है, उस पीएम मोदी रोकना चाहते हैं। इसी बीच उन्होंने दावा किया कि अगले दो-चार दिन में उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। सिसोदिया ने कहा कि अमेरिका के सबसे बड़े अखबार ने कल फ्रंट पेज पर दिल्ली के शिक्षा मॉडल को कवर किया था। यह भारत के लिए गर्व की बात है। करीब डेढ़ साल पहले उनकी तरफ से एक और स्टोरी छापी गई थी, जिसमें गंगा के पास हजारों शव दिखाए गए थे। मैं किसी भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं हूं। मेरी एक ही गलती है कि मैं अरविंद केजरीवाल सरकार का शिक्षा मंत्री हूं। केजरीवाल को रोकने के लिए साजिश के तहत मेरे यहां सीबीआई रेड हुई है। केजरीवाल के पक्ष में देशभर में माहौल बन रहा है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 'निजीकरण' पर श्वेत पत्र जारी करे केंद्र सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बुलेटिन में प्रकाशित शोधपत्र का हवाला देते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा गै। पार्टी ने कहा कि सरकार को एक श्वेत पत्र जारी कर बताना चाहिए कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण को लेकर उसकी मंशा क्या है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह आरोप भी लगाया कि सरकार के दबाव के कारण आरबीआई को अपने उस शोधपत्र को खारिज करना पड़ा, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उनकी दक्षता की तारीफ की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आरबीआई पर दबाव डाला कि वह इस मामले में स्पष्टीकरण दे। इसके बाद आरबीआई ने इस शोधपत्र को अपना मानने से इनकार कर दिया और कहा कि यह उसके नहीं, बल्कि लेखक के विचार हैं। यह पहली बार नहीं है, जब आरबीआई पर सरकार की मंशा मानने के लिए दबाव बनाया गया है। सुप्रिया ने कहा यह दुखद है कि कभी सार्वजनिक बैंकों की सराहना करने वाला आरबीआई अपने उस शोधपत्र को खारिज करने के लिए विवश हुआ है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और उनकी दक्षता की तारीफ की गई है।

उन्होंने दावा किया सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या घटाकर 12 कर दी गई है। यह बड़ी चिंता का विषय है। सरकार की योजना और बैंकों के निजीकरण की है। सुप्रिया ने कहा एक भ्रम फैलाया जाता है कि बैंकों में सरकारी पैसा डालना पड़ता है।

सच्चाई यह है कि सरकार ने जो पैसा डाला है, उस पर बैंकों ने चार गुना लाभ लौटाया है। उन्होंने कहा हमारी मांग है कि सरकार श्वेत पत्र लेकर लाकर बताए कि बैंकों के निजीकरण को लेकर उसकी मंशा क्या है। सरकार यह भी बताए कि आरबीआई पर दबाव क्यों बनाया गया कि उसे अपनी ही रिपोर्ट को वापस लेना पड़ा?

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि उसके बुलेटिन में प्रकाशित शोधपत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के धीरे-धीरे विलय के समर्थन की बात उसके विचार नहीं हैं, बल्कि यह लेखकों की अपनी सोच है। ज्ञात हो कि शोधपत्र आरबीआई बुलेटिन के अगस्त अंक में प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है सरकार के निजीकरण की ओर धीरे-धीरे बढ़ने से यह सुनिश्चित हो सकता है कि वित्तीय समावेश के सामाजिक उद्देश्य को पूरा करने में एक 'शून्य' की स्थिति नहीं बने। शोधपत्र में यह भी कहा गया है कि हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बड़े स्तर पर विलय से क्षेत्र में मजबूती आई है और अधिक प्रतिस्पर्धी बैंक सामने आए हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईजीआई पुलिस ने सबसे बड़े वीजा रैकेट का किया भंडाफोड़, 4 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली । सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय फर्जी पासपोर्ट और वीजा रैकेट चलाने वाले चार लोगों को आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आईजीआई एयरपोर्ट की डीसीपी तनु शर्मा ने बताया कि उनके पास से 325 फर्जी पासपोर्ट, 175 फर्जी वीजा और अन्य संबंधित चीजें बरामद की गई हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा, गिरोह का मास्टरमाइंड जाकिर यूसुफ शेख है। आईजीआई यूनिट को गिरोह के बारे में सूचना मिली थी, जिसके बाद इसका भंडाफोड़ किया गया। इसके पहले आईजीआई एयरपोर्ट थाने में पीपी एक्ट का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें गुजरात के गांधीनगर निवासी यात्री रवि रमेशभाई चौधरी को फर्जी पासपोर्ट के आरोप में कुवैत से पकड़ा गया था। जांच के दौरान पाया गया कि फर्जी पासपोर्ट की व्यवस्था मुंबई के निवासी जाकिर यूसुफ शेख और मुश्ताक उर्फ जमील पिक्क रवाला नामक एजेंटों द्वारा की गई थी, जिन्हें रवि रमेशभाई चौधरी से गुजरात के नारायणभाई चौधरी नाम के एक स्थानीय एजेंट ने मिलवाया गया था। पुलिस ने जांच के दौरान शेख और पिक्क रवाला दोनों एजेंटों को उनके साथी इम्तियाज अली शेख उर्फ राजू भाई और संजय दत्ताराम चव्हाण को मुंबई से गिरफ्तार किया।325 भारतीय पासपोर्ट, 175 वीजा, 1200 से अधिक टिकट, 11 अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट, 75 पासपोर्ट जैकेट, 17 आधार कार्ड, 12 रंगीन प्रिंटर, जाली भारतीय पासपोर्ट बनाने के लिए डाई, दो लेमिनेशन मशीन, एक पेपर कटर मशीन, दो यूवी मशीन, फोटो पॉलीमर स्टाम्प बनाने की मशीन और अन्य आपत्तिजनक सबूत बरामद किए गए। फरार एजेंट नारायण भाई की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर महिला यात्री के पास से पांच करोड़ रुपये मूल्य का मादक कोकीन बरामद

मुंबई । मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर इथियोपिया से यहां पहुंची एक महिला के पास से पांच करोड़ रुपये मूल्य की 500 ग्राम मादक कोकीन बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीमा शुल्क विभाग ने ट्वीट करके बताया कि महिला इथियोपियन एयरलाइंस की उड़ान से शुक्रवार को अदीस अबाबा से मुंबई पहुंची थी। विभाग ने कहा, सिएरा लियोनिएन नाम की महिला को मादक पदार्थ बरामद होने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। विभाग ने बताया कि मादक पदार्थ उसके पर्स में छिपाया गया था।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा हिमाचल के चुनावी दौरे पर, नडडा के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न

नई दिल्ली । हिमाचल प्रदेश चुनाव में हर बार सरकार परिवर्तन के रिवाज को बदलने में जुटी भाजपा ने विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। हिमाचल भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का गृह राज्य भी है, इसकारण राज्य का विधानसभा चुनाव भाजपा आलाकमान की प्रतिष्ठा से भी जुड़ गया है। इसकारण नड्डा लगातार हिमाचल का दौरा कर पार्टी नेताओं से सरकार के कामकाज का फीडबैक लेने के साथ-साथ चुनावी रणनीति को लेकर निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही नड्डा लगातार प्रदेश में चुनावी रैलियां कर मतदाताओं से सतत संवाद भी कर रहे हैं। नड्डा ने अपने हिमाचल के दो दिवसीय दौरे की जानकारी साझा कर ट्वीट कर बताया, आज से दो दिवसीय हिमाचल प्रवास पर हूं। हिमाचल का यह प्रवास मेरे लिए बहुत भावनात्मक है। इस दौरान मुझे नाहन जाने का अवसर मिलेगा, जहां मैंने युवाकाल में लंबे समय तक संगठन के लिए काम किया। हिमाचल विश्वविद्यालय के कार्यक्रम के दौरान पुराने साथियों से मिलने और उन क्षणों को जीने का अवसर मिलेगा। इस दौरान नड्डा पांवटा साहिब और नाहन में रैलियों को संबोधित करने के साथ ही हिमाचल प्रदेश के स्थापना दिवस से जुड़े कार्यक्रमों में भी शामिल होने वाले हैं। इस यात्रा के दौरान नड्डा हिमाचल विश्विद्यालय के पूर्व छात्रों के सम्मेलन को भी संबोधित करने वाले हैं।

दही हांडी समारोह के दौरान 153 'गोविंदा घायल, ठाणे में 64 व्यक्ति घायल

मुंबई । मुंबई में कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर दही हांडी समारोह के दौरान मानव 'पिरामिड' बनाते समय 153 'गोविंदा या प्रतिभागी घायल हुए, जबकि ठाणे शहर में 64 व्यक्ति घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई में अधिकांश घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि 23 अन्य को अस्पतालों में भर्ती किया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गृह क्षेत्र ठाणे शहर में 64 घायलों में से 12 का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। लेकिन सभी खतरे से बाहर हैं। कोरोना के कारण स्थगित रहे कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का हिस्सा दही हांडी कार्यक्रम दो साल के अंतराल के बाद राज्य भर में अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। प्रतिभागियों की मंडली ने ऊपर लटके हुए छाछ और दही वाले मिट्टी के बर्तन ('हांडी') को तोड़ने के लिए मानव 'पिरामिड' का निर्माण करके एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा की। यह त्यौहार विशेष रूप से मुंबई, ठाणे और आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। दही हांडी आयोजनों और प्रतिभागियों की मंडलियों को इन क्षेत्रों में राजनीतिक संरक्षण मिलता है। बीएमसी अधिकारियों ने बताया कि मुंबई में 153 घायलों में से 40 लोगों का इलाज नगर निगम द्वारा संचालित केईएम अस्पताल में, 17 का राजावाड़ी अस्पताल में और 14 का कूपर अस्पताल में किया गया। नायर अस्पताल सहित निगम अस्पतालों ने 12 प्रतिभागियों का इलाज किया। सायन अस्पताल ने 10, ट्रॉमा केयर अस्पताल ने 6, भाभा अस्पताल ने 5, डॉ बाबासाहेब आंबेडकर अस्पताल ने 3 और शताब्दी अस्पताल ने 2 प्रतिभागियों का इलाज किया। कई घायल प्रतिभागियों का इलाज भी सरकारी अस्पतालों में भी किया गया। उन्होंने बताया कि तेरह प्रतिभागियों का इलाज सरकारी जीटी अस्पताल में, पांच का सेंट जॉर्ज अस्पताल में और तीन का जेजे अस्पताल में, जबकि कई अन्य का निजी अस्पतालों में इलाज किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

साजिश में शामिल युवती का पूरा परिवार,6 गिरफ्तार

वलसाड की युवती ने 2.50 लाख में सूरत के युवक से शादी की और भाग गई

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वराछा क्षेत्र के एक युवक को दलालों ने वलसाड की एक लड़की से 2.50 लाख में शादी करा दी. शादी के कुछ दिनों बाद ही महिला भाग गई। जिसमें पुलिस ने दो आरोपित दलाल व लुटेरा वधू समेत कुल छह को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. समय-समय पर दलालों द्वारा लड़कियों की गलत तरीके से शादी कर युवकों को ठगने के मामले सामने आते रहते हैं। वराछा पुलिस ने जांच के दौरान मिली जानकारी के आधार पर हितेश उर्फ रसिकभाई कपाड़िया व घुघाभाई उर्फ दिनेशभाई कथाभाई कच्छड़ संगीताबेन और उसके पिता गुरुराज सिंदे को भी पकड़ लिया. जब दोनों आरोपित दलालों ने शिकायतकर्ता की शादी रोहिणी से करा दी। बाद में महिला चलने के लिए कहने के लिए घाट पर चली गई। फिर

को गिरफ्तार कर उसके परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की है. साथ ही आगे की जांच के दौरान पुलिस ने लुटेरा दुल्हन रोहिणी, उसकी बहन नैना, उसकी मां कोई वापसी नहीं हुई। इसलिए ठगा हुआ महसूस कर युवक ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। तो पुलिस ने इन दोनों आरोपित दलालों को फास्ट कर आगे की कार्रवाई की है।

मेहुल बोगरा के साथ सूरत के वकीलों का समर्थन, कोर्ट में पुलिस और वकील आमने-सामने होने से तनावपूर्ण महौल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में अधिवक्ता मेहुल बोगरा ने टीआरबी सुपरवाइजर साजन भारवाड़ व अन्य बदमाशों के खिलाफ खुलेआम रंगदारी वसूलने की आमने-सामने शिकायत दर्ज कराई.

वकील मेहुल बोगरा की हत्या के प्रयास करने वाले आरोपी साजन भरवाड़ को कोर्ट में पेश किया गया और वकीलों ने उसे मारने की कोशिश की. जिससे कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया। फिलहाल साजन भारवाड़ की 5 दिन की रिमांड मंजूर की गई है।

दो दिन पहले सरथाना कैनाल रोड पर लस्काना चोकी से 50 मीटर की दूरी पर टीआरबी के सुपरवाइजर साजन भारवाड़ ने वकील मेहुल बोगरा पर जानलेवा हमला किया था. मेहुल को सूचना मिली थी कि ट्रैफिक पुलिस और टीआरबी यहां रिक्शा चालकों पर कार्रवाई कर रहे हैं। घटना स्थल पर पहुंचे एक वकील ने सोशल मीडिया पर जब्ती का लाइव-स्ट्रीम किया और सज को 15 बेंतों से पीटा। खूनी हालत में वकील को स्मिर्ना ले जाया गया। एएसआई अरविंद गेमेट ने वकील के खिलाफ ड्यूटी में लापरवाही और अत्याचार का मामला दर्ज कराया है. वहीं साजन भारवाड़, 3 पॉली वर्कर व 3 अन्य के खिलाफ आईपीसी 307 (हत्या के प्रयास) का मामला दर्ज किया गया है. वकीलों ने साजन भरवाड़ पर धावा बोल दिया और मामला उलझगया.साजन भरवाड़ ने वकील मेहुल को पीटा और खूनी हालत में इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. इसे लेकर साजन भरवाड़ समेत कर्मचारियों की काफी आलोचना हुई थी. सोशल मीडिया पर भी ट्रैफिक पुलिस को लेकर काफी नाराजगी जाहिर की जा रही है. अदालत परिसर में तनाव देखा गया क्योंकि वकीलों के सामने रबारी समुदाय के युवा भी बड़ी संख्या में मौजूद थे. साजन भरवाड़ में वकीलों के दौड़ते ही बबलो असमंजस में पड़ गया।

सूरत के कतरगाम दरवाजे के पास विरोध प्रदर्शन जहां सफाईकर्मियों और जमानतदारों को रात भर खाली करने का निर्देश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के कटारगाम दरवाजे के पास मैला ढोने वालों और जमानतदारों के घर हैं। यहां 44 कमरों में 28 से ज्यादा परिवार रहते हैं। इन लोगों को रात-रात भर बिना किसी पूर्व सूचना के घर खाली करने के लिए कहा गया था। इसलिए कार्यकर्ताओं में आक्रोश है और वे मांग कर रहे हैं कि वैकल्पिक व्यवस्था होने तक हमें यहां रहने दिया जाए. प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने आक्रोशित होकर कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम पेश होंगे.

20 साल पहले बने मकान 20 साल पहले कटारगाम दरवाजे के पास मैला ढोने वालों और जमानतदारों के लिए मकान बने थे। इन घरों के रखरखाव के लिए कभी कोई काम नहीं किया गया। जिससे ये घर पुराने हो गए हैं। लिहाजा नगर पालिका की ओर से इन मकानों को खाली करने का निर्देश दिया गया है. तो मजदूरों ने कहा, कोई काम नहीं हुआ और हमें मकान खाली करने को कहा गया है. तो इस त्योहार और बरसात के मौसम में हम कहां जाएं।

हमारे साथ हो रहा अन्याय -कामदार कर्मराय संघ के अध्यक्ष भाईलाल भाई वैष्णव ने कहा कि पहले झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को झुग्गी-झोपड़ियों की जगह आवास आवंटित किया गया है. फिर हमने रुपये देकर घर खरीदा है। हमें यहां विध्वंस और नए निर्माण से कोई ऐतराज नहीं है। हमें नए बने मकानों में से एक घर दिया जाना चाहिए। हमें एक और वैकल्पिक व्यवस्था दी जानी चाहिए और जब तक हम ऐसा नहीं करते तब तक रहने की अनुमति दी जानी चाहिए। हमारी मांग है कि हमें किराया दिया जाए और उचित व्यवस्था की जाए.नहीं तो हम नगर आयुक्तऔर उससे ऊपर के लोगों को ज्ञापन देंगे.

सूरत के अमरोली में 300 रुपये से अधिक की लड़ाई में एक युवक की पत्थर मारकर हत्या

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के अमरोली इलाके में

एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने दोस्ती को शर्मसार कर दिया है. जिस 300 रुपये को उसने उधार दिया था, उस पर झगड़ने के बाद एक दोस्त के सिर पर पत्थर से वार किया और उसकी मौत हो गई। इस वजह से पुलिस ने हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है.

नेतलबेन पवार ने सूरत के अमरोली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि उनके पति गोबिंद सिंह विजयसिंह पवार की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पति के दोस्त मानसिंह रूप रामसिंह ओडे ने अपने हाथ से उधार दिए पैसे को लेकर झगड़ा किया था और उसके चेहरे और सिर पर पत्थर मारकर उसकी हत्या कर दी थी। मृतक की पत्नी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्रवाई की।

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार पुलिस ने हत्या के आरोपित मानसिंह रूप रामसिंह ओड (सूरत के नीचे निवासी अमरोली ब्रिज) को गिरफ्तार कर कोरोना टेस्ट कराकर आगे की जांच की. मानसिंह उर्फ रामसिंह ओडे ने यह पता लगाने के लिए आगे की जांच की है कि उसके दोस्त गोबिंद सिंह की हत्या क्यों की गई और पैसे के अलावा हत्या का कारण क्या हो सकता है।